

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 77 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 16 नवम्बर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

प्रकाश सोलंके ने चुनावी राजनीति से हटने का किया ऐलान, भतीजे जयसिंग को बनाएंगे उत्तराधिकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। महाराष्ट्र के माजलगांव से राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक प्रकाश सोलंके ने आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने अपनी जगह भतीजे जयसिंग सोलंके को चुनावी मैदान में उतारने की घोषणा की है। एक विकास कार्य के शुभारंभ कार्यक्रम में किए गए इस ऐलान के बाद माजलगांव की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन और नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रकाश सोलंके ने स्पष्ट कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में वे स्वयं उम्मीदवार के रूप में जनता के सामने नहीं आएंगे। उनकी जगह जयसिंग सोलंके को पार्टी की ओर से उम्मीदवारी दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि जिस तरह अब तक उन्हें समर्थन और आशीर्वाद मिलता रहा है, उसी तरह जयसिंग को भी अपना सहयोग दें। सोलंके ने कहा कि वे अब उम्मीदवार के रूप में चुनाव नहीं लड़ेंगे और जयसिंग को उनकी ओर से आगे बढ़ाया जाएगा। जनता ने उन्हें वर्षों तक जो प्यार और समर्थन दिया है, उन्हें उम्मीद है कि वही भरोसा जयसिंग को भी मिलेगा।



जगराओं में स्टाम्प शुल्क चोरी का बड़ा मामला, 131 लोगों और संस्थाओं पर प्राथमिकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लुधियानां। पंजाब के लुधियाना ग्रामीण जिले के जगराओं और आसपास के क्षेत्रों में स्टाम्प शुल्क की कथित चोरी का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 131 लोगों और संस्थाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सख्त निर्देशों के बाद हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल मच गई है। जब कोई व्यक्ति जमीन, मकान या अन्य अचल संपत्ति खरीदता है, तो उसे संपत्ति के निर्धारित मूल्य के आधार पर सरकार को स्टाम्प शुल्क देना होता है। यह राशि सरकारी खजाने में जमा होती है और संपत्ति के लेन-देन से जुड़ी अनिवार्य सरकारी देनदारी होती है। इस मामले में आरोप है कि वर्ष 2013 से 2016 के बीच जगराओं और आसपास के इलाकों में हुई कई संपत्तियों की खरीद-फरोख्त के दौरान निर्धारित स्टाम्प शुल्क पूरा जमा नहीं कराया गया। आरोप है कि कुछ खरीदारों ने संपत्तियों का वास्तविक मूल्य कम दर्शाया या दस्तावेजों में कथित हेराफेरी कर सरकारी शुल्क बचाया। इससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका जताई गई है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि किन संपत्तियों का मूल्य वास्तविक बाजार भाव से कम दर्शाया गया और इससे सरकारी खजाने को कितने राजस्व का नुकसान हुआ। साथ ही, दस्तावेज तैयार कराने और संपत्ति का पंजीकरण कराने में शामिल लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जाएगी। इस मामले ने संपत्तियों के पंजीकरण और स्टाम्प शुल्क की वसूली से जुड़ी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, प्राथमिकी दर्ज होने का अर्थ आरोप सिद्ध होना नहीं है।

कटनी में 12 करोड़ के जेवर चोरी का आरोपी कोलकाता से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी में किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी शोरूम से करीब 12 करोड़ रुपये के जेवर चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान झारखंड के साहिबगंज निवासी बदरुद्दीन शाह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे रविवार को जिला न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार किया। फिलहाल उसके पास से चोरी के जेवर बरामद नहीं हुए हैं। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों, वारदात में उनकी भूमिका और चोरी किए गए जेवरों के ठिकाने के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, झारखंड के गिरोह ने 12 नवंबर को बरगवां स्थित शोरूम को निशाना बनाया था। आरोपियों ने शोरूम की पिछली दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गैस कटर की मदद से तिजोरी काटकर उसमें रखे करीब 12 करोड़ रुपये के जेवर चोरी कर लिए थे।



योगी ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, लखनऊ में छठ घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को उत्तर प्रदेश में श्रद्धा और उत्साह के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में छठ घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा भी की। झमुख्यमंत्री योगी ने छठ पर्व के अवसर पर लोक गायिका शारदा सिन्हा को याद किया। उन्होंने कहा कि छठ के गीतों को देश-दुनिया तक पहुंचाने वाली शारदा सिन्हा को याद किए बिना यह पर्व अधूरा है। लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान स्थित घाट पर आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने छठी मैया के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। उनके साथ 100 से अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पर्व की छटा बिखेरी।

गुजरात में समय से पहले विधानसभा चुनाव कराने की अटकलें तेज, प्रधानमंत्री के लगातार दौरों और भाजपा की बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों से सियासी हलचल बढ़ी

बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर विपक्ष ने सरकार पर तेज किए हमले, वहीं भाजपा विकास कार्यों और संगठन की मजबूती के दम पर चुनावी तैयारी का कर रही दावा

क्या किसानों की नाराजगी, बेरोजगारी और महंगाई के बीच गुजरात में समय से पहले चुनाव कराकर जनता का रुख भांपना चाहती है भाजपा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात के राजनीतिक गलियारों में समय से पहले विधानसभा चुनाव कराए जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य में लगातार बढ़ते दौरों, विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास तथा भारतीय जनता पार्टी के संगठन में तेज होती गतिविधियों के बीच राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजनीतिक विश्लेषकों और मीडिया में इस बात को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या गुजरात में निर्धारित समय से पहले विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक समय से पहले चुनाव कराने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

विपक्ष ने जनसमस्याओं को बनाया मुद्दा

विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समय से पहले चुनाव की चर्चाओं के पीछे राज्य की मौजूदा सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां भी एक वजह हो सकती हैं। विपक्ष लगातार किसानों की समस्याओं, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहा है। कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर किसान संगठनों की ओर से भी कई मांगें उठाई जा रही हैं। राज्य के कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियों, फसल खराब होने, सिंचाई के लिए पानी की कमी और पशुओं के लिए चारे की समस्या को लेकर चिंता जताई जा रही है। किसानों की मांग है कि फसल नुकसान का उचित मुआवजा समय पर दिया जाए। इसके अलावा विपक्ष का आरोप है कि बढ़ती महंगाई और युवाओं में बेरोजगारी के कारण आम लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। विभिन्न वर्गों में सरकारी नीतियों को लेकर असंतोष होने का दावा भी किया जा रहा है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि जमीनी स्तर पर उठ रहे सवालों और जनता की नाराजगी को लेकर सत्ताधारी दल के कुछ नेताओं में चिंता हो सकती है।

भाजपा का दावा- विकास और संगठन के दम पर तैयार

दूसरी ओर, भाजपा के नेता और समर्थक समय से पहले चुनाव की चर्चाओं को किसी राजनीतिक दबाव या चिंता से जोड़ने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री के गुजरात दौरे विकास परियोजनाओं को गति देने और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने की नियमित प्रक्रिया का हिस्सा हैं। भाजपा का दावा है कि उसका संगठन पूरे वर्ष चुनावी तैयारी के साथ काम करता है। पार्टी नेताओं के अनुसार, किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। विकास कार्यों और संगठन की मजबूती के आधार पर पार्टी जनता के बीच अपनी स्थिति मजबूत मान रही है।

मतदाताओं की उम्मीदों पर टिकी नजर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव निर्धारित समय पर हों या उससे पहले, अंतिम फैसला मतदाताओं को ही करना है। आम नागरिकों, किसानों और युवाओं की अपेक्षाएं केवल चुनावी घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं। वे फसलों का उचित मुआवजा, रोजगार के नए अवसर, महंगाई से राहत और प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही चाहते हैं। फिलहाल गुजरात में समय से पहले चुनाव की चर्चाओं ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। आने वाले दिनों में राजनीतिक गतिविधियां किस दिशा में आगे बढ़ती हैं और चुनाव आयोग की ओर से क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर पूरे राज्य की नजर रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलेगी: अमित शाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय पुणे दौरे के दौरान आयोजित रैली में कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से सत्ता हासिल नहीं होगी। यदि उन्हें सत्ता में आना है तो विदेशी दौरे छोड़कर देश के गांवों में जाना चाहिए। शायद तब कभी उन्हें भी जनता का समर्थन मिल सके।शाह ने कहा कि राहुल गांधी का मौजूदा प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने का है, जबकि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रही है। वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की विकास यात्रा और उपलब्धियों को दुनिया के सामने रख रहे हैं। इसके विपरीत राहुल गांधी विदेशों में भारत के खिलाफ विचार रखकर देश की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। शाह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि वे इसी रास्ते पर राहुल गांधी के पीछे चलते रहे तो अगले 30 वर्षों तक भी उनकी सत्ता में वापसी की संभावना नहीं बनेगी।कांग्रेस पर लगातार चुनावी हार की हताशा निकालने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री ने हैदराबाद में आयोजित 'भारत समिट 2026' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले दो दिनों में इस सम्मेलन के लिए देश-विदेश से वामपंथी विचारधारा के समर्थकों को आमंत्रित किया और राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए। सम्मेलन का नाम 'भारत समिट' रखा गया, लेकिन राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत-विरोधी विचार रखकर दुनिया के सामने देश को बदनाम करने का काम किया।शाह ने महाराष्ट्र सहित पूरे देश की जनता से कांग्रेस नेताओं से उनके शासनकाल का हिसाब मांगने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत राजनीतिक दलों के कामकाज पर निर्भर करती है। कांग्रेस को देश की सत्ता में रहते हुए दस साल का अवसर मिला, लेकिन इस दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले और भ्रष्टाचार हुए। इसी कारण जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी चुनावी हार के कारणों पर आत्ममंथन करना चाहिए, न कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली राजनीति करनी चाहिए।



दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो सकता है संसद का शीतकालीन सत्र, महिला आरक्षण और परिसीमन पर आएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। इस सत्र में केंद्र सरकार महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिश कर सकती है। इसके साथ ही मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी संसद में जोरदार तरीके से उठ सकता है। इस मुद्दे पर विपक्ष पहले से ही सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ हमलावर रुख अपनाए हुए है। संसदीय सत्र की संभावित तारीखों को लेकर सरकार के उच्च स्तर पर चर्चा चल रही है। सरकार की योजना 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की राह आसान करने की है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का प्रस्ताव है। सीटों में यह बढ़ोतरी परिसीमन के माध्यम से की जानी है। महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। संविधान संशोधन के लिए संसद के प्रत्येक सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई मतों की आवश्यकता होती है। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं और तीन सीटें रिक्त हैं। यदि सभी 540 सदस्य मतदान करते हैं तो विधेयक पारित कराने के लिए कम से कम 361 सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास करीब 320 सांसद हैं। ऐसे में सरकार को विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों का समर्थन हासिल करना होगा।



दिल्ली के पहाड़गंज में निर्माणाधीन इमारत का लेंटर गिरा, पांच लोग घायल तेज धमाके के साथ ढहा भूतल का लेंटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मध्य क्षेत्र पहाड़गंज में रविवार को एक निर्माणाधीन इमारत का लेंटर अचानक ढह गया। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जानकारी के अनुसार, हादसा पहाड़गंज थाना क्षेत्र में संगत तरसन पुलिस चौकी के पास तेलवाड़ा इलाके में हरि वर्दी स्कूल के नजदीक हुआ। यहां एक निर्माणाधीन इमारत के भूतल का लेंटर अचानक तेज धमाके के साथ नीचे आ गिरा। मलबा गिरने से आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर भीड़ जमा हो गई।



दमकल टीम के पहुंचने से पहले घायलों को पहुंचाया अस्पताल

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, विभाग को पहाड़गंज में निर्माणाधीन ढांचे के ढहने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। हालांकि, दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू कर दिया था। उन्होंने पांचों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय पुलिस की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने एहतियात के तौर पर घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है।

खाटूश्यामजी जन्मोत्सव पर कोटा से चलेगी विशेष ट्रेन, जयपुर होकर पहुंचेगी रशीदपुरा खोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। खाटूश्यामजी जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए रेलवे ने कोटा से रशीदपुरा खोरी के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। यह ट्रेन जयपुर होकर संचालित होगी। इसमें आरक्षित श्रेणियों की सीटें उपलब्ध रहेंगी, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सकेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 09803 कोटा-रशीदपुरा खोरी विशेष रेलगाड़ी 19 नवंबर को कोटा से रात 9:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 5:40 बजे रशीदपुरा खोरी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09804 रशीदपुरा खोरी-कोटा विशेष रेलगाड़ी 20 नवंबर को सुबह 7:15 बजे रवाना होकर उसी दिन शाम 4:30 बजे कोटा पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

यह विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में लाखेरी, इंद्रगढ़ सुमेरगंज मंडी, सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, ढेहर का बालाजी, रींगस जंक्शन और सीकर जंक्शन पर ठहरेगी। ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कुल 16 डिब्बे होंगे। खाटूश्यामजी के दर्शन करने वाले श्रद्धालु रींगस जंक्शन पर उतरकर करीब 17 किलोमीटर की सड़क यात्रा कर मंदिर पहुंच सकेंगे। यात्री रेलवे आरक्षण व्यवस्था के माध्यम से सीटों की उपलब्धता देखकर अग्रिम आरक्षण करा सकते हैं। ट्रेन से जुड़ी ताजा जानकारी राष्ट्रीय रेल पूछताछ प्रणाली या रेलवे हेल्पलाइन 139 से प्राप्त की जा सकती है।



भागलपुर से जयपुर के लिए भी विशेष ट्रेन

अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे ने भागलपुर से जयपुर के बीच एकतरफा विशेष रेलगाड़ी चलाने का निर्णय किया है। यह ट्रेन 18 नवंबर को भागलपुर से सुबह 9:30 बजे रवाना होकर 20 नवंबर को रात 3:30 बजे जयपुर पहुंचेगी। सफर के दौरान ट्रेन सुल्तानगंज, जमालपुर, अभयपुर, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, मिर्जापुर, सूबेदारगंज, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह, भरतपुर, बांदीकुई, दौसा और गांधीनगर जयपुर स्टेशनों पर ठहरेगी।

खड़की-सांगानेर साप्ताहिक विशेष ट्रेन का एक फेरा बढ़ाया

रेलवे ने अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए खड़की-सांगानेर-खड़की साप्ताहिक विशेष ट्रेन के संचालन में भी एक फेरा बढ़ाया है। खड़की से सांगानेर के लिए विशेष ट्रेन 26 नवंबर को संचालित होगी, जबकि वापसी में सांगानेर से खड़की के लिए ट्रेन 27 नवंबर को रवाना होगी। दोनों दिशाओं में एक-एक अतिरिक्त फेरा चलाया जाएगा। इससे इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

बिहार में 10 हजार से अधिक घाटों पर छठ का पहला अर्घ्य, लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को किया नमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को बिहार के 10 हजार से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। शाम को पारंपरिक विधि-विधान और भक्तिमय माहौल के बीच व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी पटना के एक घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने घर पर छठ पूजा की। इस महापर्व में शामिल होने के लिए देश के बड़े महानगरों के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग बिहार लौटे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई सहित विभिन्न शहरों और दुनिया के कई देशों से छठ मनाने बिहार पहुंचे हैं। इनमें लगभग 40 लाख लोग रेलगाड़ियों से, जबकि 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहनों से अपने घर लौटे हैं। छठ पूजा की तैयारियों के बीच पटना के मिर्जापुर गांव में बड़ा हादसा हो गया। यहां घाट की सजावट करने गए चार युवक पुनपुन नदी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल ने तलाश अभियान शुरू किया। टीम ने एक युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि तीन अन्य युवक अभी भी लापता हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है।



पंजाब में कांग्रेस ने शुरू किया 'नशा छोड़ो, भारत जोड़ो' अभियान, अमृतसर में निकाली नशा-विरोधी मैराथन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमृतसर। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पार्टी ने रविवार, 15 नवंबर को राज्य में 'नशा छोड़ो, भारत जोड़ो' अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत अमृतसर में नशा-विरोधी मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें कांग्रेस नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पार्टी इस अभियान को पूरे पंजाब में आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या बेहद गंभीर हो चुकी है।



सूरत के लस्काना में सनसनीखेज हत्याकांड: पत्नी ने देवर के साथ मिलकर कराई पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। 'डायमंड सिटी' सूरत के लस्काना इलाके में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि 30 वर्षीय व्यक्ति की हत्या की साजिश उसकी पत्नी और छोटे भाई ने मिलकर रची थी। लस्काना पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक की 29 वर्षीय पत्नी रीनादेवी और 27 वर्षीय छोटे भाई शिवाबाबू निषाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, भाभी और देवर के बीच कथित प्रेम संबंध तथा पति के साथ होने वाले विवाद इस हत्या की वजह बने। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के रहने वाले 30 वर्षीय अमरबाबू मूलचंद निषाद सूरत के लस्काना इलाके में रहकर एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। 10 नवंबर 2026 की सुबह उनका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सुबह 8:30 बजे से पहले उनका शव लस्काना इलाके में जलाराम मंदिर और विपुलनगर के बीच डीजीवीसीएल बीआरटीएस बस स्टैंड के सामने सर्विस रोड पर पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच में सामने आया कि अमरबाबू की गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस जांच के अनुसार, दिवाली की छुट्टियों के कारण परिवार के सदस्य घर पर ही थे। अमरबाबू 9 नवंबर की सुबह घर से निकले थे।

मजदूरी मांगने पर मालिक से विवाद, गुस्साए मजदूर ने नए ट्रक में लगाई आग; सोशल मीडिया पर वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद / आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर कई वीडियो और घटनाएं तेजी से वायरल होती हैं। ऐसी ही एक घटना ने इंटरनेट पर लोगों का ध्यान खींचा है। अपनी मेहनत की कमाई नहीं मिलने से नाराज एक मजदूर का गुस्सा इस कदर बढ़ गया कि उसने कथित तौर पर एक बिल्कुल नए ट्रक में आग लगा दी। बताया जा रहा है कि मजदूर काफी समय से अपनी बकाया मजदूरी मांग रहा था, लेकिन उसे भुगतान नहीं किया जा रहा था। इसी विवाद के बाद हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मजदूरी नहीं मिलने से बढ़ा विवाद

वायरल रिपोर्टों के अनुसार, एक मजदूर लंबे समय से अपनी मेहनत की कमाई यानी बकाया मजदूरी पाने के लिए परेशान था। आरोप है कि बार-बार भुगतान की मांग करने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिले। इतना ही नहीं, मजदूरी मांगने पर उसे कथित तौर पर अपमानित भी किया गया। इससे नाराज होकर मजदूर ने अपना आपा खो दिया और एक नए ट्रक में आग लगा दी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सोशल मीडिया पर दो हिस्सों में बंटी लोगों की राय

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। एक वर्ग मजदूर की स्थिति और उसकी आर्थिक परेशानियों के प्रति सहानुभूति जता रहा है।

गांधीनगर में ठाकोर समुदाय की जमीन का विवाद गरमाया, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने सरकार को दी खुली बहस की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में ठाकोर समुदाय की जमीन से जुड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने इस मामले को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब जमीन विवाद में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (आईजी) की कथित संलिप्तता सामने आई है, तो अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इसके साथ ही जगदीश ठाकोर ने सरकार और संबंधित पक्षों को इस मुद्दे पर खुली सार्वजनिक बहस करने की चुनौती दी है। जगदीश ठाकोर और विपक्ष के अन्य नेताओं के अनुसार, गांधीनगर क्षेत्र में ठाकोर समुदाय की जमीनों के सौदों और उनके हस्तांतरण में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। जगदीश ठाकोर ने सार्वजनिक मंचों और प्रेस के माध्यम से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम नागरिकों और छोटे कर्मचारियों की छोटी-छोटी गलतियों पर भी तुरंत कार्रवाई की जाती है, लेकिन इस जमीन विवाद में नाम सामने आने के बावजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के खिलाफ जांच और कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है?

खुली सार्वजनिक बहस की चुनौती

जगदीश ठाकोर ने सत्ताधारी दल और संबंधित जिम्मेदार लोगों को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि यदि जमीन का सौदा पूरी तरह पारदर्शी और कानूनी है, तो संबंधित दस्तावेजों और सबूतों के साथ सार्वजनिक मंच पर चर्चा होनी चाहिए।

नडियाद में चाकूबाजी से मचा हड़कंप, अमदावादी दरवाजे के पास युवक पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। चारोतर क्षेत्र के मुख्यालय नडियाद से चाकूबाजी की एक गंभीर घटना सामने आई है। 14 नवंबर की देर रात शहर के व्यस्त अमदावादी दरवाजे के पास स्थित प्रसिद्ध कांति भजियावाला की दुकान के नजदीक एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। इस घटना से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत और उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर की रात अमदावादी दरवाजे के बाहर कांति भजियावाला की दुकान के पास अर्श उर्फ मच्छी फरीदभाई सैयद पर हमला किया गया। इस मामले में अश उर्फ चिड़ी और साहू उर्फ शिवम नाम के दो लोगों को आरोपी बनाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पुरानी रंजिश या पहले हुई कहासुनी के चलते दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर अर्श उर्फ मच्छी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में युवक को कई जगह चोटें आईं और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जैन समाज में सागरचंद्र सागर विवाद ने पकड़ा नया मोड़

कथित ऑडियो में 10 लाख रुपये का जिक्र; फॉरेंसिक जांच से लेकर धार्मिक ट्रस्टों के चढ़ावे तक उठे बड़े सवाल...

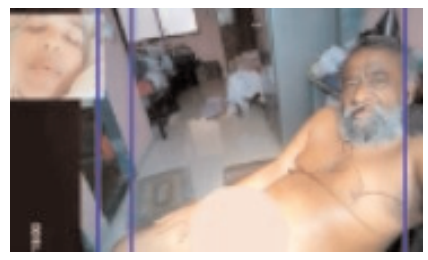
महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव रिपोर्ट : धर्म, धन और विवाद का उलझता सच! सागरचंद्र सागर प्रकरण में अब कई सवालों के घेरे में व्यवस्था

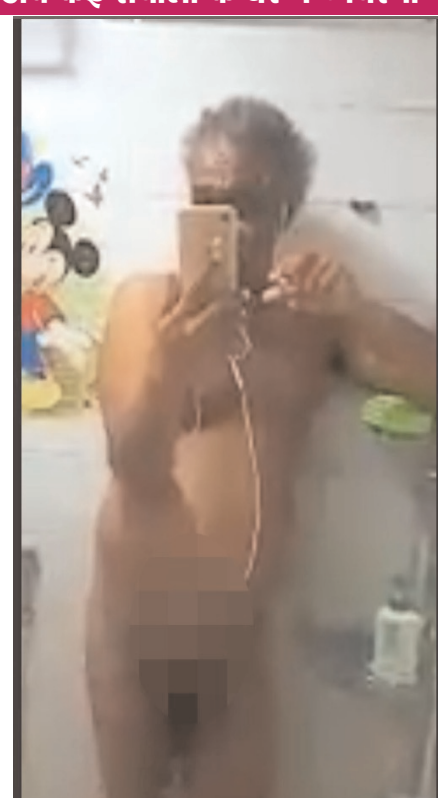
महनगर मेट्रो का बड़ा सवाल

मंदिरों और तीर्थस्थलों की आय व्यय रिपोर्ट, बैंक खातों और संपत्तियों का स्वतंत्र लेखा परीक्षण क्यों नहीं होना चाहिए?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन







मंदसौर/पालीताना/अहमदाबाद। जैन समाज में सागरचंद्र सागर से जुड़ा विवाद अब एक नया और गंभीर मोड़ लेता दिखाई दे रहा है। मामला केवल वायरल तस्वीरों और कथित व्हाट्सऐप चैट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग, फॉरेंसिक जांच की विश्वसनीयता, धार्मिक अनुशासन और धर्म के नाम पर एकत्रित होने वाले धन के उपयोग को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। 6 नवंबर को प्रकाशित एक रिपोर्ट में पत्रकार एवं जैन समाज से जुड़े हार्दिक हुंडिया ने सागरचंद्र सागर के स्पष्टीकरण पर कई सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आर्थिक पारदर्शिता की मांग की थी।

फॉरेंसिक जांच पर ही खड़े हुए सवाल

सागरचंद्र सागर ने एक पत्रकार से बातचीत में दावा किया था कि वायरल तस्वीरों को लेकर गुरुजनों के स्तर पर जांच की प्रक्रिया शुरू की गई थी। संबंधित लोगों को दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए बुलाया गया, ताकि वैज्ञानिक परीक्षण कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक सहयोग नहीं मिला। इसके उलट हार्दिक हुंडिया ने सवाल उठाया कि जिन तस्वीरों की जांच कराए जाने का दावा किया जा रहा है, वे कौन-सी थीं और जांच किस प्रयोगशाला में हुई? उन्होंने सरकारी मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक प्रयोगशाला से स्वतंत्र परीक्षण कराने की मांग की।

कथित ऑडियो में 10 लाख रुपये का जिक्र

विवाद को और गंभीर बनाते हुए हार्दिक हुंडिया ने बातचीत के दौरान दो कथित ऑडियो सुनाने का दावा किया। एक रिकॉर्डिंग में तस्वीरों के प्रसार, फोन कॉल और धमकियों से जुड़ी बातचीत होने की बात कही गई, जबकि दूसरी रिकॉर्डिंग को लेकर एक महिला को 10 लाख रुपये देने की पेशकश का दावा किया गया। इस कथित बातचीत में सागरचंद्र सागर के नाम, किरण और सूरत से लौटने का भी उल्लेख होने की बात सामने आई। हालांकि, इन रिकॉर्डिंग की स्वतंत्र फॉरेंसिक पुष्टि और आवाजों की पहचान अभी स्थापित नहीं हुई है।

धार्मिक चढ़ावे का हिसाब कौन देगा?

इस प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू धार्मिक संस्थाओं की आर्थिक पारदर्शिता बनता जा रहा है। श्रद्धालु मंदिरों, तीर्थस्थलों और धार्मिक आयोजनों में अपनी आस्था से करोड़ों रुपये का दान देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इन संस्थाओं की आय-व्यय रिपोर्ट कितनी सार्वजनिक है? स्वतंत्र लेखा परीक्षण, बैंक खातों और संपत्तियों का विवरण समाज के सामने क्यों नहीं रखा जाना चाहिए? हार्दिक हुंडिया ने भी धार्मिक धन के उपयोग का स्पष्ट हिसाब सार्वजनिक करने की मांग उठाई है।

अब जवाबदेही से नहीं बच सकते जिम्मेदार पक्ष

सागरचंद्र सागर ने अपने ऊपर लगे आरोपों को षड्यंत्र का हिस्सा बताया है। वहीं, हुंडिया ने उनके जवाबों पर सवाल उठाते हुए तथ्यों की स्वतंत्र जांच की मांग की है। इस पूरे मामले में संबंधित ट्रस्टों, पदाधिकारियों और अन्य आरोपित पक्षों का विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने आना भी जरूरी है। अब जैन समाज के सामने तीन बड़े सवाल हैं–कथित तस्वीरों और ऑडियो की वास्तविकता क्या है? धार्मिक संस्थाओं के धन का पूरा हिसाब कौन सार्वजनिक करेगा? और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कब कराई जाएगी? आस्था के नाम पर किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं, लेकिन आस्था के नाम पर उठे गंभीर सवालों को अनदेखा करना भी उचित नहीं है। निष्पक्ष जांच, दस्तावेजी प्रमाण और पारदर्शी जवाबदेही ही इस विवाद का समाधान हो सकते हैं। इस पूरे विवाद ने जैन समाज के सामने केवल एक व्यक्ति से जुड़े आरोपों का सवाल नहीं खड़ा किया है, बल्कि धार्मिक व्यवस्था की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी गंभीर बहस छेड़ दी है। कथित तस्वीरें, व्हाट्सऐप चैट और 10 लाख रुपये के जिक्र वाला ऑडियो–इन सभी दावों की सच्चाई सामने आना जरूरी है। सवाल यह भी है कि यदि जांच हुई थी, तो उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? यदि ऑडियो और तस्वीरें प्रमाणिक हैं, तो उनकी स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच से किसे आपत्ति हो सकती है? और यदि आरोप निराधार हैं, तो संबंधित पक्ष ठोस दस्तावेजों के साथ स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करते? धार्मिक संस्थाओं में चढ़ावे के रूप में आने वाला धन श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा होता है, इसलिए उसके उपयोग का पारदर्शी हिसाब भी जरूरी है। अब वक्त केवल सफाई और आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि प्रमाण, निष्पक्ष जांच और सार्वजनिक जवाबदेही का है। समाज को भावनात्मक बयान नहीं, तथ्यों के आधार पर स्पष्ट जवाब चाहिए।

अहमदाबाद में पानी की सप्लाई रहेगी बाधित, जसपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की मुख्य पाइपलाइन के वाल्व में खराबी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों के लिए पानी की सप्लाई से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। जसपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से सरखेज-मक्तमपुरा तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य पाइपलाइन के एक वाल्व में तकनीकी खराबी आ गई है। इस समस्या को ठीक करने के लिए अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) सोमवार को मरम्मत का काम शुरू करेगा। इसके चलते गोटा से लेकर सरखेज और मक्तमपुरा तक के कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। नगर निगम के जल परियोजना विभाग के अनुसार, जसपुर से सरखेज-मक्तमपुरा की ओर जाने वाली मुख्य पाइपलाइन के खराब वाल्व की मरम्मत की जाएगी। इस कार्य के कारण शहर के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों के कई रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। गोटा से सरखेज और मक्तमपुरा तक के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को इस दौरान पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मरम्मत का काम तेजी से पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उम्मीद जताई गई है कि बुधवार से प्रभावित क्षेत्रों में पानी की सप्लाई फिर से सामान्य हो जाएगी।

महुधा में गंदगी का अंबार, विकास के दावों की खुली पोल

पटेलवाड़ी-दादूसर रोड पर कचरे के ढेर से परेशान लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



महुधा। गुजरात भर में स्मार्ट सिटी और विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन खेड़ा जिले के महुधा से सामने आई तस्वीर इन दावों की जमीनी हकीकत उजागर कर रही है। महुधा में पटेलवाड़ी को दादूसर से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर नगरपालिका और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के चलते जगह-जगह कचरे और गंदगी के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। इसके कारण स्थानीय नागरिकों का जीवन मुश्किल हो गया है।सड़क पर कचरे के ढेर, आवागमन में परेशानीमहुधा की इस व्यस्त सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों पैदल यात्री, स्कूली बच्चे और वाहन चालक गुजरते हैं। हैरानी की बात यह है कि आम लोगों के आवागमन के लिए बनी यह सड़क अब कचरे के ढेरों से घिरी हुई है। खुले में कचरा फेंके जाने के कारण आसपास गंदगी फैल रही है। वहीं, कचरे से उठने वाली तेज बदबू के चलते लोगों का इस रास्ते से गुजरना भी मुश्किल हो गया है।

मच्छरों और कीड़े-मकोड़ों से बीमारियों का खतरा

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस सड़क की लंबे समय से नियमित सफाई नहीं की गई है और कचरे का उचित निपटान भी नहीं हो रहा है। जगह-जगह जमा कचरे के सड़ने से मक्खियों, मच्छरों और अन्य कीड़े-मकोड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है।

नडियाद रेलवे स्टेशन पर जीआरपी के पीएसआई बी.पी. मकवाना बने फरिश्ता, चलती ट्रेन से फिसलकर गिर रही महिला यात्री की बचाई जान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। खेड़ा जिले के नडियाद रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान संतुलन बिगड़ने से एक महिला यात्री की जान खतरे में पड़ गई। इसी दौरान रेलवे पुलिस के सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) बी.पी. मकवाना ने तत्परता और सूझबूझ दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बचा लिया। उनकी इस साहसिक कार्रवाई की स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने सराहना की। मिली जानकारी के अनुसार, नडियाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से एक ट्रेन गुजर रही थी। ट्रेन ने जैसे ही रफ्तार पकड़ी, एक महिला यात्री ने जल्दबाजी में उसमें चढ़ने का प्रयास किया। इसी दौरान ट्रेन की गति के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और उसका पैर फिसल गया। महिला ट्रेन के दरवाजे से लटक गई और प्लेटफॉर्म तथा पटरियों के बीच घिसटने की स्थिति में पहुंच गई। उसे देखकर स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

पीएसआई बी.पी. मकवाना ने दिखाई तत्परता

घटना के समय नडियाद रेलवे जीआरपी के पीएसआई बी.पी. मकवाना प्लेटफॉर्म पर गश्त कर रहे थे। जैसे ही उनकी नजर चलती ट्रेन से लटक रही महिला पर पड़ी, वे तुरंत उसकी मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए महिला को पकड़कर सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर खींच लिया। उनकी त्वरित कार्रवाई से महिला ट्रेन की चपेट में आने से बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। कुछ ही क्षणों में हुई इस घटना के दौरान पीएसआई मकवाना की सतर्कता और सूझबूझ ने महिला की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुरक्षित बाहर आने के बाद महिला ने राहत की सांस ली और पुलिस अधिकारी का आभार जताया।यात्रियों ने की पुलिस अधिकारी की सराहना

स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने पीएसआई बी.पी. मकवाना के साहसिक एवं मानवीय प्रयास की प्रशंसा की। उनकी तत्परता को लेकर यात्रियों ने कहा कि रेलवे पुलिस की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

रेलवे पुलिस ने यात्रियों से की अपील

इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे कभी भी चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें। थोड़ी सी जल्दबाजी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। यात्रियों को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही चढ़ने और उतरने की सलाह दी गई है।

अहमदाबाद में रिहायशी मकान से मेफेड्रोन बनाने की फैक्ट्री का खुलासा, एनसीबी ने की छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अहमदाबाद के सरखेज इलाके में नशीले पदार्थ बनाने की अवैध इकाई का पर्दाफाश किया है। जानकारी के अनुसार, लब्बेक पार्क नामक रिहायशी इलाके में एक मकान के अंदर मेफेड्रोन (एमडी) बनाने का काम चल रहा था। एनसीबी की छापेमारी में वहां से मशीनें, कच्चा माल और नशीले पदार्थ तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले रसायन बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, एनसीबी को गुप्त सूचना मिली थी कि सरखेज के लब्बेक पार्क स्थित एक मकान में अवैध रूप से नशीले पदार्थ बनाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर एजेंसी के अधिकारियों ने निगरानी की और इसके बाद मकान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान वहां से नशीले पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों और रसायनों का भंडार मिला। शुरुआती जांच में एम.एम. पठान नाम के व्यक्ति का नाम सामने आया है। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब एक महीने से मकान किराए पर लेकर वहां यह अवैध गतिविधि चला रहा था। मकान का इस्तेमाल नशीले पदार्थ बनाने की इकाई के रूप में किया जा रहा था। जांच में मध्य प्रदेश के मंदसौर से भी इस मामले का संबंध सामने आया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नशीले पदार्थ बनाने के लिए आवश्यक कच्चा माल और रसायन मंदसौर से लाए गए थे। इन्हें अहमदाबाद पहुंचाकर यहां नशीले पदार्थ तैयार किए जा रहे थे।



अमूल ने छाछ के पैकेटों में घटाई मात्रा, कीमत बरकरार;5 10 और 20 वाले पैकेट पर पड़ा असर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद / आनंद। महंगाई के बोझ तले दबे आम और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। रोजमर्रा की जरूरी चीजों की कीमतें बढ़ने के बीच अब अमूल ने दूध और दही के बाद अपने छाछ के पैकेटों में भी मात्रा कम कर दी है। पैकेट की कीमत पहले जैसी ही रखी गई है, लेकिन उसके अंदर छाछ की मात्रा घटा दी गई है। सीधे तौर पर कीमत बढ़ाने के बजाय अपनाए गए इस तरीके को लेकर उपभोक्ताओं के बीच नाराजगी और बहस शुरू हो गई है। इसे महंगाई का एक छिपा हुआ झटका माना जा रहा है। बाजार से मिली जानकारी और उपभोक्ताओं के अनुभव के अनुसार, अमूल के लोकप्रिय छाछ के छोटे और मध्यम आकार के पैकेटों में मात्रा कम की गई है। ?5 वाले पैकेट में पहले के मुकाबले 10 मिलीलीटर की कटौती की गई है। वहीं, मध्यम और कामकाजी वर्ग के बीच लोकप्रिय ?10 वाले पैकेट में लगभग 15 से 20 मिलीलीटर मात्रा घटाई गई है। इसके अलावा, परिवारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ?20 के पैकेट में 30 मिलीलीटर तक की कमी की गई है अर्थशास्त्र की भाषा में इस तरीके को 'श्रिंकफ्लेशन' कहा जाता है। इसमें कंपनियां उत्पाद का अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी पहले जैसा ही रखती हैं, लेकिन पैकेट के अंदर मौजूद उत्पाद का वजन या मात्रा कम कर देती हैं। कच्चे माल, पैकेजिंग और परिवहन की लागत बढ़ने पर कंपनियां कई बार सीधे कीमत बढ़ाने के बजाय यह तरीका अपनाती हैं, ताकि दाम बढ़ने से होने वाली ग्राहकों की नाराजगी से बचा जा सके। इस रणनीति का इस्तेमाल पहले भी बिस्कुट, साबुन और खाना पकाने के तेल जैसे उत्पादों में देखने को मिला है। अब छाछ के पैकेटों में मात्रा कम किए जाने की खबर ने उपभोक्ताओं के बीच नई बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब कीमत पहले जैसी ही है, तो उत्पाद की मात्रा में कटौती की जानकारी पैकेट पर कितनी स्पष्टता से दी जा रही है।

अहमदाबाद में घर के बेसमेंट में चल रही थी नशीले पदार्थ बनाने की लैब, एनसीबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में केमिकल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और सरखेज पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर एक घर के बेसमेंट में संचालित कथित ड्रग्स निर्माण लैब का खुलासा किया है। लब्बेक पार्क स्थित एक मकान के बेसमेंट में लैब बनाकर फैक्ट्री चलाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, मुद्दस्सर पठान नाम का आरोपी इस गतिविधि को संचालित कर रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अंकलेश्वर, अहमदाबाद और रतलाम से कच्चा माल मंगाया था। मकान से करीब 20 अलग-अलग प्रकार के रसायन बरामद किए गए हैं। जब्त रसायनों में ब्रोमीन सहित कई केमिकल शामिल हैं। जांच के अनुसार, मुद्दस्सर पठान राजस्थान में ड्रग्स बनाने की ट्रेनिंग ले चुका था और इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर एमडी (मेफेड्रोन) बनाने की कोशिश कर रहा था। बताया गया है कि वह पिछले करीब एक साल से इस प्रयास में जुटा हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ सरखेज थाने में पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट और एक रिक्शे में आग लगाने जैसे आरोप शामिल हैं। मामले में बरामद रसायनों और आरोपी की गतिविधियों को लेकर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई को लेकर अहमदाबाद शहर के जोन-7 के डीसीपी शिवम वर्मा ने जानकारी दी।

अहमदाबाद में मंदिर के सामने चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, 4 जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में जुए और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कागडापीठ इलाके में कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी वसंत रजब चौराहे के पास एक मंदिर के सामने खुलेआम रुपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 21 हजार रुपये नकद और पांच मोबाइल फोन जब्त किए। जानकारी के अनुसार, कागडापीठ पुलिस थाने की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वसंत रजब चौराहे के पास मंदिर के सामने कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और छापेमारी की। पुलिस की अचानक कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर चार आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नरेश सोलंकी, विकास राठौड़, अजीम शेख और शहजाद शेख के रूप में की है। तलाशी के दौरान जुए में इस्तेमाल की जा रही 21 हजार रुपये की नकदी और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए। कागडापीठ पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अहमदाबाद में मंदिर के सामने चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, 4 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के कागडापीठ इलाके में पुलिस ने जुए के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी वसंत रजब चौराहे के पास एक मंदिर के सामने खुलेआम रुपये का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने मौके से 21 हजार रुपये नकद और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जानकारी के अनुसार, कागडापीठ पुलिस थाने की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वसंत रजब चौराहे के पास मंदिर के सामने कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अचानक छापेमारी की। पुलिस की कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नरेश सोलंकी, विकास राठौड़, अजीम शेख और शहजाद शेख के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने जुए में इस्तेमाल की जा रही 21 हजार रुपये की नकदी और पांच मोबाइल फोन बरामद किए। कागडापीठ पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में जुआ खेलने वालों और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के बीच हलचल मच गई है।

वडोदरा में शराब का बड़ा घोटाला; एक्साइज की सख्त कार्रवाई के बाद बापोद थाने के PI और PSI सस्पेंड; पुलिस महकमे में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा: गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के दावों के बीच, 'संस्कारी नगरी' वडोदरा में 84 लाख रुपये की विदेशी शराब पकड़े जाने से पूरा पुलिस महकमा हिल गया है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल की सफल छापेमारी के बाद, पुलिस महानिदेशक ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्थानीय पुलिस की भारी लापरवाही के खिलाफ एक तरह की 'सर्जिकल स्ट्राइक' की है। बापोद पुलिस स्टेशन के PI डी.डी. लाडुमोर और PSI आर.एन. प्रसाद को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

क्या था पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, शराब तस्कर खोडियार नगर इलाके में स्थित नीलकंठ विला फ्लैट्स की पार्किंग में भारी मात्रा में विदेशी शराब उतार रहे थे और उसे जमा कर रहे थे। यह इलाका वडोदरा के बापोद पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस खेल की भनक न तो स्थानीय पुलिस को लगी और न ही उनके मुखबिरों को।

इसी बीच, एक गुप्त सूचना के आधार पर गांधीनगर स्थित स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्स्ट) की एक टीम वडोदरा पहुंची। जब स्स्ट ने नीलकंठ विला फ्लैट्स की पार्किंग में अचानक छापेमारी की, तो पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए।



छोटा उदेपुर में जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय आयोजन, 2,283.97 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो



छोटा उदेपुर। 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर छोटा उदेपुर में जनजातीय गौरव दिवस का भव्य राज्य स्तरीय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने राज्य के 14 जनजातीय जिलों के नागरिकों को लाभ पहुंचाने वाली 2,283.97 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-उद्घाटन और ई-शिलान्यास किया। इस अवसर पर 14 जनजातीय जिलों में प्राकृतिक खेती आधारित वाड़ी सहायता योजना की भी शुरुआत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के बलिदान और योगदान को देश के सामने लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। वर्ष 2007 में शुरू की गई वनबंधु कल्याण योजना जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए 2 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करने के साथ 231 करोड़ रुपये के व्यक्तिगत लाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए विकास का उल्लेख करते हुए बताया कि अब जनजातीय क्षेत्रों में 12 विज्ञान महाविद्यालय, 2 विश्वविद्यालय, 12 मेडिकल कॉलेज।

वनकोल में कथित अवैध रेत खनन के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध, खनन विभाग की चुप्पी पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



छोटा उदेपुर। जेतपुर पावी तालुका के वनकोल गांव में कथित अवैध रेत खनन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बिना वैध अनुमति के धड़ल्ले से रेत का खनन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए संबंधित अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि वनकोल क्षेत्र से कथित रूप से अवैध तरीके से निकाली गई रेत को दूसरी जगह ले जाकर जमा किया जाता है। बताया जा रहा है कि वहां वैध खनन परमिट मौजूद है। ग्रामीणों को आशंका है कि इस तरीके से अवैध रूप से निकाली गई रेत को वैध दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव के जागरूक निवासियों ने इस संबंध में भूविज्ञान एवं खनन विभाग को मौखिक और लिखित रूप से शिकायत देकर स्थिति से अवगत कराया है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। विभाग की कथित निष्क्रियता को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है और अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करें। यदि जांच में अवैध रेत खनन की पुष्टि होती है, तो इसमें शामिल लोगों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को रोकने के लिए प्रशासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। अब देखना होगा कि ग्रामीणों की शिकायत और विरोध के बाद खान एवं खनिज विभाग कब मौके पर जांच करता है और आरोपों की सच्चाई सामने आने पर क्या कार्रवाई की जाती है।

आईफोन और मोटरसाइकिल की चाहत में 13 साल की पोती ने रची दादाजी की हत्या की साजिश, तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोट्टायम (केरल)। केरल के कोट्टायम से एक बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली घटना सामने आई है। आईफोन और मोटरसाइकिल खरीदने की चाहत में 13 साल की एक लड़की ने अपने ही दादाजी की हत्या की साजिश रच डाली। बताया जा रहा है कि लड़की ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद घर से सोने के आभूषण और कीमती सामान भी लूट लिया गया। पुलिस जांच में सामने आई जानकारी के अनुसार, 13 साल की यह लड़की अपनी महंगी इच्छाओं को पूरा करना चाहती थी। वह अपने लिए एक नया आईफोन और अपने एक दोस्त के लिए मोटरसाइकिल खरीदना चाहती थी। इसके लिए उसे बड़ी रकम की जरूरत थी। अपनी इच्छाओं को पूरा करने का रास्ता नहीं मिलने पर उसने अपने ही दादाजी को निशाना बनाने की साजिश रची। दादाजी उसी घर में रहते थे और लड़की के संरक्षक भी थे। बताया गया है कि लड़की ने अपनी उम्र के तीन अन्य नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। इसके बाद सभी ने घर के अंदर ही दादाजी की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने घर में रखे सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान भी लूट लिया तथा मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही केरल पुलिस और अपराध शाखा की टीम जांच में जुट गई। शुरुआत में मामले की गुत्थी सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती बना रहा, लेकिन जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया गया। पुलिस ने आसपास के लोगों और मृतक के संपर्क में रहे व्यक्तियों के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड तथा लोकेशन की जांच शुरू की। साइबर जांच के दौरान मिले सुरागों को आपस में जोड़ने पर पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली। जांच में मृतक की 13 वर्षीय पोती ही कथित तौर पर पूरी साजिश की मुख्य आरोपी के रूप में सामने आई। पुलिस ने अन्य नाबालिगों की भूमिका की भी जांच की और सभी संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया।

अडानी ग्रीन की महाराष्ट्र परियोजना की जांच के आदेश, पर्यावरण मंजूरी में गलत जानकारी देने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र में अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की एक महत्वाकांक्षी पंप्ड स्टोरेज जलविद्युत परियोजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने परियोजना से जुड़ी शिकायतों के बाद जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी पर पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया के दौरान जमीन की वास्तविक स्थिति और आसपास के वन क्षेत्रों से संबंधित गलत एवं अधूरी जानकारी देने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, अडानी ग्रीन महाराष्ट्र में बड़े स्तर पर पंप्ड स्टोरेज हाइड्रो पावर परियोजना विकसित कर रही है। आरोप है कि परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया में जमा किए गए दस्तावेजों और रिपोर्टों में जमीन की स्थिति तथा आसपास के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी सही तरीके से नहीं दी गई। स्थानीय पर्यावरणविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में केंद्र सरकार को लिखित शिकायत दी है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि परियोजना स्थल से नजदीकी वन्यजीव अभयारण्य, वन्यजीव गलियारे और घने वन क्षेत्र की दूरी वास्तविकता से अधिक दर्शाई गई है। उनका दावा है कि इससे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव का सही आकलन प्रभावित हो सकता है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। शिकायत में भूमि उपयोग के वर्गीकरण को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि परियोजना से जुड़ी जमीन के दस्तावेजों में वन भूमि, निजी भूमि और सरकारी बंजर भूमि के विवरण को लेकर विरोधाभासी आंकड़े पेश किए गए हैं। इसके अलावा पश्चिमी घाट के संवेदनशील क्षेत्र के निकट होने के कारण स्थानीय जैव विविधता, पेड़-पौधों और वन्यजीवों पर परियोजना के संभावित प्रभावों का पर्याप्त आकलन नहीं किए जाने की बात भी कही गई है। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने मामले का संज्ञान लिया है। मंत्रालय ने मुंबई स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय को मौके पर जाकर जांच करने और कंपनी की ओर से जमा कराए गए दस्तावेजों की वास्तविक स्थिति से मिलान करने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्रीय कार्यालय को जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट सौंपनी होगी।

अंबार्डी सफारी पार्क में एशियाई शेर को परेशान करने का वीडियो वायरल, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

शेरों के संरक्षण के दावों के बीच सामने आया वीडियो; घटना की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अमरेली। गुजरात की पहचान और गौरव माने जाने वाले एशियाई शेरों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अमरेली जिले में धारी के पास स्थित अंबार्डी सफारी पार्क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कुछ लोग एक शेर के पास जाकर उसे परेशान करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद प्रकृति प्रेमियों और शेर प्रेमियों में नाराजगी है। लोगों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वायरल वीडियो में सफारी पार्क के भीतर कुछ लोग शेर के नजदीक जाते और उसे परेशान करते नजर आ रहे हैं। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों के अनुसार, जंगली जानवरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना और उन्हें किसी भी तरह से परेशान नहीं करना जरूरी है। इसके बावजूद वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम ने सफारी पार्क की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि सफारी पार्क के भीतर ऐसी गतिविधि कैसे हुई और उस समय ड्यूटी पर तैनात वनकर्मी क्या कर रहे थे? आम पर्यटकों की ओर से नियमों का उल्लंघन किए जाने पर वन विभाग कार्रवाई करता है, ऐसे में पार्क के भीतर शेर को परेशान किए जाने की घटना को लेकर विभाग की जवाबदेही भी चर्चा में है। घटना के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। जब सफारी पार्क के अंदर यह सब हो रहा था, तब वहां तैनात कर्मचारी और अधिकारी कहां थे? वीडियो में दिखाई दे रहे लोग कौन हैं और क्या उन्हें किसी तरह की विशेष अनुमति मिली हुई थी? वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत इस मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे। गिर और आसपास के क्षेत्रों में शेरों को परेशान करने और उनके साथ अनुचित व्यवहार की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। ऐसी गतिविधियों को अक्सर 'लायन शो' के रूप में भी देखा जाता है। लेकिन सरकारी सफारी पार्क के भीतर इस तरह का वीडियो सामने आना गंभीर चिंता का विषय है। अब मांग की जा रही है कि वरिष्ठ वन अधिकारी वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराएं और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करें। साथ ही, यदि जांच में किसी कर्मचारी या अधिकारी की लापरवाही सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

जाबुगाम में गंदगी से बढ़ा डेंगू का खतरा, पॉजिटिव मामले सामने आने पर ग्रामीण चिंतित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोदेली। बोदेली तालुका के जाबुगाम गांव के कई इलाकों में फैली गंदगी के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। जाबुगाम कस्बा और फारिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू के पॉजिटिव मामले सामने आने की जानकारी के बाद स्थानीय निवासियों में चिंता का माहौल है। डेंगू के एनएस-1 जांच में पॉजिटिव मामले मिलने के बाद लोगों ने ग्राम पंचायत और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कई हिस्सों में गंदगी और जगह-जगह जमा पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में डेंगू के संक्रमण का खतरा और गंभीर हो सकता है। लोगों ने ग्राम पंचायत से प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने और कीटनाशक का छिड़काव कराने की मांग की है। इसके साथ ही ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से जाबुगाम कस्बा और फारिया सहित प्रभावित इलाकों में टीम भेजकर स्वास्थ्य सर्वे कराने की अपील की है। लोगों की मांग है कि संदिग्ध मरीजों की जांच और स्क्रीनिंग की जाए तथा ग्रामीणों को डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। अब देखना होगा कि डेंगू के मामलों की सूचना मिलने के बाद जाबुगाम ग्राम पंचायत और स्वास्थ्य विभाग कितनी जल्दी कार्रवाई करते हैं। ग्रामीणों ने साफ-सफाई, मच्छर नियंत्रण और स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था जल्द शुरू करने की मांग की है।

पेपर कप में गर्म चाय पीना कितना सुरक्षित? एक कप से 25 हजार तक माइक्रोप्लास्टिक कण निकलने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



छोटा उदेपुर। चाय की दुकानों और स्टॉलों पर रंग-बिरंगे डिस्पोजेबल पेपर कप का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सुबह की चाय से लेकर दिनभर की चाय तक, बड़ी संख्या में लोग इन कपों में गर्म चाय पीते हैं। लेकिन क्या गर्म चाय पीने के लिए इस्तेमाल होने वाले ये पेपर कप वास्तव में सुरक्षित हैं? इस सवाल ने स्वास्थ्य को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। दरअसल, ज्यादातर पेपर कप की अंदरूनी सतह पर प्लास्टिक जैसी पतली परत चढ़ाई जाती है, ताकि कप से तरल पदार्थ बाहर न निकले। शोध के अनुसार, जब इन कपों में बहुत गर्म पानी या चाय डाली जाती है, तो इस परत से प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और कुछ रासायनिक तत्व तरल पदार्थ में मिल सकते हैं। आईआईटी खड़गपुर के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में सामने आया था कि 85 से 90 डिग्री सेल्सियस तापमान वाले गर्म पानी को पेपर कप में 15 मिनट तक रखने पर लगभग 25 हजार माइक्रोप्लास्टिक कण उसमें मिल सकते हैं। यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'जर्नल ऑफ हजार्डस मैटेरियल्स' में प्रकाशित हुआ था। हालांकि, यह आंकड़ा अध्ययन की विशेष परिस्थितियों से जुड़ा है और इसे हर प्रकार के पेपर कप या हर कप चाय पर समान रूप से लागू नहीं किया जा सकता। माइक्रोप्लास्टिक और उनसे जुड़े रासायनिक तत्वों के संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर वैज्ञानिक अध्ययन जारी हैं। इनके लंबे समय तक शरीर में पहुंचने के प्रभावों पर अभी और शोध की आवश्यकता है। फिलहाल कैंसर, किडनी या लिवर की बीमारियों से इनके सीधे संबंध की निर्णायक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद गर्म पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की गुणवत्ता और सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है। इस स्थिति को देखते हुए चाय विक्रेताओं से खाद्य पदार्थों के संपर्क के लिए सुरक्षित और निर्धारित मानकों वाले बर्तनों का इस्तेमाल करने की अपील की जा रही है। वहीं, ग्राहक भी चाय पीने के लिए कांच, स्टील या सुरक्षित मिट्टी के कुल्हड़ जैसे विकल्प अपना सकते हैं। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग से चाय की दुकानों पर इस्तेमाल किए जा रहे डिस्पोजेबल कप की गुणवत्ता की जांच करने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

भारत और चीन के बीच आर्थिक अंतर क्यों बढ़ा? एस. जयशंकर ने 1980 के दशक की नीतिगत चूक को बताया बड़ी वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच आर्थिक आकार और औद्योगिक क्षमता का अंतर आज काफी बढ़ चुका है। यह अंतर कैसे पैदा हुआ और भारत किन क्षेत्रों में पीछे रह गया, इस पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपना विश्लेषण पेश किया है। उन्होंने 1980 के दशक की नीतिगत चूक की ओर इशारा करते हुए कहा कि उस दौर में चीन ने आधुनिकीकरण और औद्योगीकरण के अवसरों का बेहतर इस्तेमाल किया, जबकि भारत इस दिशा में अपेक्षित गति हासिल नहीं कर सका। जयशंकर के अनुसार, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1988 में चीन का दौरा किया था, तब भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार लगभग बराबर था। दोनों देश विकास के चरण में थे और उनके सामने आगे बढ़ने के अवसर मौजूद थे। हालांकि, चीन ने अपनी आर्थिक नीतियों में बदलाव करते हुए विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया। दूसरी ओर, भारत उस समय औद्योगिक विकास की दौड़ में अपेक्षित तेजी नहीं ला पाया। विदेश मंत्री ने 1990 के दशक में हुए आर्थिक सुधारों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1991 में भारत ने उदारीकरण की प्रक्रिया शुरू कर पिछली आर्थिक कमियों को दूर करने का प्रयास किया, लेकिन ये सुधार सभी क्षेत्रों में अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सके।

आबू रोड में जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तरीय समारोहःभगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड।आबू रोड के दानवाव स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद किया।भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और योगदान पर चचाकार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. राजेश गोयल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और जनजातीय समाज के इतिहास पर विचार रखे। उन्होंने जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संरक्षित रखने की जरूरत बताई।

अलवर-सीकर में हुई बारिश, आज 10 जिलों में अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिरोही। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से अलवर और सीकर में आज सुबह से रुक-रुककर बरसात का दौर चला। जयपुर सहित कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं और हवा चल रही है। मौसम विभाग के अनुसार आज 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शनिवार को भी बीकानेर और जोधपुर संभाग के जिलों में बरसात हुई। सबसे ज्यादा बारिश जैसलमेर के मोहनगढ़ में 5रूरिकॉर्ड हुई। वहीं, दिन के साथ रात में भी अब सर्दी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को सबसे कम तापमान भीलवाड़ा में 10 डिग्री के करीब रहा। माउंटआबू में यहां से कम सर्दी थी। 16 नवंबर से राज्य में मौसम साफ रहने और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरने से सर्दी तेज होने का अनुमान है।सीकर में पिछले कई दिनों से मौसम ड्राई रहने के बाद आज बड़ा बदलाव देखने को मिला। देर रात से ही आसमान में बादल छाए रहे। आज सुबह सीकर में सांवलोदा पुरोहितान सहित कई इलाकों में बारिश हो रही है। सीकर शहर में भी आसमान में बादल छाए हुए हैं।जयपुर में रविवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। हवा में भी ठंडक है। शनिवार दिनभर आसमान साफ और धूप रही। गर्मी कम रहने से धूप सुहावनी रही। जयपुर में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर में सफाई के नाम पर 2.94 करोड़ का खेल!:कांग्रेस पार्षद मेयर के खिलाफ ACB में देंगे शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। जयपुर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। दीपावली पर हर वार्ड में 20 अतिरिक्त सफाईकर्मी लगाने का मेयर सुनील कोठारी का वादा अब राजनीतिक विवाद में बदल गया है।कांग्रेस पार्षदों का आरोप है कि एक महीने से ज्यादा समय बीतने के बावजूद वार्डों में अतिरिक्त कर्मचारी नहीं पहुंचे। सफाई के नाम पर करीब 2.94 करोड़ रुपए खर्च करने की प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई, लेकिन धरातल पर काम नजर नहीं आ रहा।पार्षदों ने इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए मेयर के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराने की चेतावनी दी है।कांग्रेस पार्षदों ने आरोप लगाया कि सफाईकर्मी उपलब्ध कराने के बजाय कुछ पार्षदों को नकद भुगतान का प्रलोभन दिया जा रहा है। उनका कहना है कि यह व्यवस्था न केवल सफाई के उद्देश्य को विफल कर रही है, बल्कि जनप्रतिनिधियों को भी भ्रष्ट बनाने की कोशिश है।एक महीने बाद भी कर्मचारी नहींनगर निगम के वार्ड 93 के पार्षद जितेंद्र शर्मा ने बताया कि मेयर ने दीपावली के मौके पर हर वार्ड में 20 अतिरिक्त सफाईकर्मी उपलब्ध कराने का वादा किया था। इसके लिए 15 अक्टूबर से व्यवस्था शुरू करने की बात कही गई थी, लेकिन एक महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी उनके वार्ड में एक भी कर्मचारी काम करने नहीं पहुंचा। उनका दावा है कि जयपुर के कई अन्य वार्डों में भी यही स्थिति है।शर्मा ने आरोप लगाया कि सफाई के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई हो रही है।

19 साल के छात्र ने खड़ा किया साइबर ठगी का पारिवारिक गिरोह, मां-भाभी संभालती थीं ठगी का पैसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



झालावाड़/मधेपुरा। साइबर अपराध की दुनिया में ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों और भरोसे दोनों को शर्मसार कर दिया। बिहार के मधेपुरा जिले में 19 साल के एक छात्र ने अपनी मां, भाभी, नाबालिग महिला मित्र और कुछ परिचितों को साथ लेकर साइबर ठगी का नेटवर्क खड़ा कर लिया। आरोपी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को डराता था, जबकि उसकी मां और भाभी ठगी से मिली रकम को अलग-अलग बैंक खातों के माध्यम से ठिकाने लगाने का इंतजाम करती थीं। इस गिरोह का शिकार झालावाड़ की शेयर कारोबारी महिला मधुबाला ठाकुर बनीं। आरोपियों ने उन्हें पुराने सिक्कों के बदले लाखों रुपये मिलने का लालच दिया। शुरुआत में छोटी रकम जमा कराई और बाद में पंजीकरण, वस्तु एवं सेवा कर, प्रसंस्करण शुल्क तथा कागजी कार्रवाई के नाम पर उनसे 13 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। इसके बाद फर्जी पुलिस नोटिस और मारपीट के वीडियो भेजकर उन्हें डिजिटल रूप से प्रताड़ित किया गया। बेटे की गिरफ्तारी की धमकियों से परेशान होकर मधुबाला ने 31 अक्टूबर 2026 को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बिहार से गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अब तक 24 वारदातों को अंजाम दे चुका है।पुलिस के मुताबिक, बिहार के मधेपुरा जिले के अरहा महुआ गांव का रहने वाला अजीत कुमार (19) इस गिरोह का मुख्य सरगना है। वह 12वीं विज्ञान संकाय का छात्र है और फरवरी 2027 में बोर्ड परीक्षा देने की तैयारी कर रहा था। अधिक पैसा कमाने के लालच में उसने साइबर ठगी का रास्ता चुना और धीरे-धीरे अपने परिवार तथा परिचितों को भी इस अपराध में शामिल कर लिया। आरोप है कि अजीत की मां रंजू देवी और भाभी खुशबू कुमारी ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए बैंक खातों का इंतजाम करती थीं। वहीं, अजीत अपने साथियों के साथ लोगों को फोन करके जाल में फंसाता और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर धमकाता था।

राजस्थान हाईकोर्ट 16 साल पुरानी शादी आपसी सहमति से खत्म, छह महीने की प्रतीक्षा अवधि भी माफ

अदालत ने कहा- हिंदू विवाह को जन्म-जन्मांतर का बंधन मानने की धारणा में आया बदलाव, सात साल से अलग रह रहे दंपती को दी तलाक की मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पति-पत्नी की आपसी सहमति से 16 साल पुरानी शादी को समाप्त करने की मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति सुदेश बंसल और न्यायमूर्ति अनुरूप सिंघी की खंडपीठ ने पत्नी की ओर से दायर अपील का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने छह महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को भी माफ कर दिया।अदालत ने टिप्पणी की कि हिंदू विवाह अधिनियम में धारा 13बी के तहत आपसी सहमति से तलाक का प्रावधान जुड़ने के बाद विवाह को लेकर पारंपरिक धारणा में बदलाव आया है। अब पति-पत्नी आपसी सहमति से वैवाहिक संबंध समाप्त करने का निर्णय भी ले सकते हैं। अदालत के अनुसार, वैवाहिक विवादों में पक्षकारों की पीड़ा और मानसिक कष्ट को समझते हुए समझौते के रास्ते को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दरअसल, पति ने परिवार न्यायालय में वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के लिए याचिका दायर की थी। फैमिली कोर्ट-1, अजमेर ने 7 अगस्त 2025 को पति के पक्ष में फैसला सुनाते हुए पत्नी को उसके साथ रहने का आदेश दिया था। इस फैसले को पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।



अपील की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से तलाक लेने का निर्णय किया और 8 अक्टूबर 2026 को संयुक्त आवेदन प्रस्तुत किया। अदालत के सामने सवाल था कि धारा 9 के तहत वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना से जुड़ी लंबित अपील को धारा 13बी के तहत आपसी सहमति से तलाक की याचिका में बदला जा सकता है या नहीं।

सात साल से रह रहे थे अलग

दोनों की शादी 5 फरवरी 2010 को हुई थी और उनका 15 वर्षीय बेटा है। दिसंबर 2019 से पति-पत्नी अलग रह रहे थे। अदालत ने पाया कि सुलह के प्रयास सफल नहीं हुए हैं और दोनों साथ रहने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में छह महीने की प्रतीक्षा अवधि जारी रखने से उनकी परेशानी बढ़ सकती है। इसी आधार पर अदालत ने प्रतीक्षा अवधि माफ कर आपसी सहमति से तलाक की मंजूरी दे दी।

कम बारिश से सूखे की मार, रेवदर और आबूरोड को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। सिरोही जिले की रेवदर और आबूरोड तहसीलों में कम बारिश के चलते सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं। खेतों में खड़ी फसलें लगभग पूरी तरह नष्ट होने और जल स्रोत सूखने से किसान, पशुपालक और आमजन परेशान हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए दोनों तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित कर राहत कार्य शुरू करने की मांग उठी है।भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी सतीश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर रेवदर और आबूरोड तहसीलों में विशेष गिरदावरी कराने तथा प्रभावित किसानों और पशुपालकों को तत्काल राहत देने की मांग की है।अग्रवाल ने पत्र में बताया कि इस वर्ष पर्याप्त बारिश नहीं होने से दोनों तहसीलों में फसलें बर्बाद होने की स्थिति में पहुंच गई हैं। तालाब, नाड़ियां और अन्य जल स्रोत सूखने से पेयजल संकट भी गहराने लगा है। वहीं, पशुओं के लिए चारे और पानी की कमी ने किसानों तथा पशुपालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कई जिलों की तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है, लेकिन सिरोही जिले की रेवदर और आबूरोड तहसीलों को राहत की इस सूची में शामिल नहीं किया



गया है। इससे क्षेत्र के प्रभावित किसानों और पशुपालकों को सरकारी राहत का लाभ नहीं मिल पा रहा है।अग्रवाल ने दोनों तहसीलों में तत्काल विशेष गिरदावरी करवाकर सूखाग्रस्त घोषित करने, पशु शिविर शुरू करने, चारा डिपो खोलने और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है।शहरी क्षेत्रों को भी मिले अकाल राहत का लाभ अग्रवाल ने अकाल राहत योजनाओं का दायरा बढ़ाकर शहरी क्षेत्रों को भी इसमें शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सूखे का प्रभाव केवल ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शहरों में रहने वाले गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार भी इससे प्रभावित होते हैं। ऐसे में उन्हें भी राहत योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने रोजगार गारंटी योजना के तहत श्रमिकों की संख्या बढ़ाने की मांग की, ताकि सूखे के दौरान गरीब और जरूरतमंद मजदूरों को पर्याप्त रोजगार मिल सके। इससे प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा

जयपुर के छह बड़े चौराहों पर जाम से मिलेगी राहत, 560 करोड़ से बनेगा 4.4 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मार्ग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए 560 करोड़ रुपए की लागत से 4.4 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मार्ग बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इस परियोजना की खास बात यह है कि एक ही कॉरिडोर पर दो स्तर विकसित किए जाएंगे। निचले स्तर पर सड़क यातायात चलेगा, जबकि भविष्य में इसके ऊपर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। इसके लिए एलिवेटेड मार्ग के पिलर अभी से मेट्रो कॉरिडोर की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाएंगे, ताकि भविष्य में मेट्रो के लिए अलग से पिलर बनाने की जरूरत नहीं पड़े। इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) दिसंबर तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान मेट्रो की सहमति मिलने के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। परियोजना पूरी होने के बाद गांधी सर्किल से जगतपुरा रेलवे ओवरब्रिज तक आने-जाने वाले



वाहनों को बीच के प्रमुख चौराहों पर रुकने की परेशानी से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित एलिवेटेड मार्ग से जवाहर नगर बायपास चौराहा, झालाना तिराहा, संस्थान पथ तिराहा, मालवीय नगर औद्योगिक क्षेत्र तिराहा, अपेक्स सर्किल और बालाजी तिराहे पर यातायात का दबाव कम होगा। जयपुर विकास प्राधिकरण के सर्वे के अनुसार गांधी सर्किल की ओर से आने वाले लगभग 70 प्रतिशत वाहन सीधे जगतपुरा की तरफ जाते हैं।

एक रुपए का नोट 30 हजार में बिका, विक्टोरिया के सिक्के की कीमत दो लाख रुपए

बीकानेर में तीन दिवसीय मुद्रा महोत्सव में देशभर के संग्रहकर्ताओं का जमावड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीकानेर। पुराने नोट और सिक्के कभी-कभी अपनी अंकित कीमत से हजारों गुना अधिक दाम पर बिक सकते हैं। इसका नजारा बीकानेर में 13 से 15 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय बीकाणा मुद्रा महोत्सव में देखने को मिला। यहां 1982 में जारी एक रुपए का नोट 30 हजार रुपए में बिका, जबकि ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की तस्वीर वाले 1939 के सिक्के की कीमत दो लाख रुपए तक पहुंच गई। वहीं, 100 रुपए के एक पुराने नोट के लिए 10 हजार रुपए तक की पेशकश हुई।गंगाशहर रोड स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित इस महोत्सव में देश के करीब 60 शहरों से पुराने नोटों और सिक्कों के संग्रहकर्ता तथा विशेषज्ञ पहुंचे। यहां आजाद भारत का चांदी का एक सिक्का 30 हजार रुपए में बिका। एक रुपए के नए नोट की 10 गड्डियां 16 हजार रुपए में खरीदी गईं। दो रुपए तथा 10 और 20 रुपए के नोटों की गड्डियों को भी अच्छे दाम मिले।महोत्सव के आयोजक सुधीर लुणावत ने बताया कि देशभर में पुराने नोटों और सिक्कों के नाम पर ठगी की घटनाएं होती हैं। इसी को देखते हुए संग्रहकर्ताओं और खरीदारों को एक मंच पर लाया गया है, जहां लोग सीधे एक-दूसरे से सौदा कर सकते हैं। नोट या सिक्के की कीमत उसकी दुर्लभता, विशेषता और **स्थिति के आधार पर तय होती है।**

महाराजा गंगा सिंह के चांदी के सिक्के की भी मांग



महोत्सव में बीकानेर के पूर्व महाराजा गंगा सिंह का चांदी का सिक्का भी आकर्षण का केंद्र रहा। एक रुपए अंकित मूल्य वाले इस सिक्के का वजन 11.66 ग्राम बताया गया। इस पर महाराजा गंगा सिंह का चित्र और 'महाराजाधिराज गंगा सिंह' लिखा हुआ है। पहले राजपरिवार की ओर से यह सिक्का नजराने के रूप में दिया जाता था। इसकी कीमत 10 से 12 हजार रुपए तक रही। सिक्के की स्थिति के अनुसार इसका दाम अलग-अलग तय किया गया।यहां मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय के शासनकाल का एक रुपए का सिक्का भी ढाई से तीन हजार रुपए में बिका। बताया गया कि चांदी के मौजूदा मूल्य के हिसाब से इसकी धातु की कीमत करीब 1700 रुपए बैठती है, लेकिन संग्रहकर्ताओं के बीच इसकी मांग के कारण अधिक कीमत मिली।

राजाओं के सिक्कों से लेकर पुराने नोटों तक का संग्रह

महोत्सव में राजस्थान के राजपरिवारों के सिक्के, पंजाब के राजाओं की ओर से जारी नोट और सिक्के तथा पुराने पदक भी बिक्री के लिए उपलब्ध रहे। अलवर से पहुंचे मलकीत सिंह ने बताया कि उनके पास 700 से 800 ईस्वी के समय के सिक्के भी हैं।

पाकिस्तानी हैंडलर 'शाह' ने प्रेमजाल में फंसाकर कराई रेलवे ट्रैक पर बमबारी, महकदीप ने खोले राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो



श्रीगंगानगर। राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर में 3 नवंबर को हुए रेलवे ट्रैक विस्फोट के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पार से संचालित कथित आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। राजस्थान आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और श्रीगंगानगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पंजाब के गुरदासपुर से दो मुख्य आरोपियों महकदीप कौर और देवेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पाकिस्तान में बैठे एक हैंडलर 'शाह' की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि उसने महकदीप कौर को प्रेमजाल में फंसाकर भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए तैयार किया था।एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन ने जयपुर और श्रीगंगानगर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा किया। इस दौरान बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश और श्रीगंगानगर के पुलिस अधीक्षक हरिशंकर भी मौजूद रहे।

प्रेमजाल में फंसाकर सौंपा रेलवे ट्रैक उड़ाने का लक्ष्य

जांच के अनुसार, इस साजिश का मुख्य सूत्रधार पाकिस्तान से सक्रिय हैंडलर 'शाह' था। आरोप है कि उसने महकदीप कौर के साथ पहले रोमांटिक और भावनात्मक संबंध बनाए। धीरे-धीरे उसे अपने प्रभाव में लेकर रेलवे ट्रैक पर विस्फोट करने का लक्ष्य सौंप दिया। सुरक्षा एजेंसियां अब इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि इस साजिश में सीमा पार से और कौन-कौन लोग शामिल थे

आठ साल की उम्र में गंवाया पैर, 19 में अर्जुन पुरस्कार हासिल कर रचा इतिहास

रुद्रांश खंडेलवाल ने पैरा निशानेबाजी में जीते 95 पदक, चार बार तोड़े विश्व रिकॉर्ड; हादसे से लेकर राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने तक संघर्ष और सफलता की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरतपुर/नई दिल्ली। महज आठ साल की उम्र में एक दर्दनाक हादसे ने रुद्रांश खंडेलवाल की जिंदगी बदल दी। जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उनका बायां पैर काटना पड़ा, लेकिन इस मुश्किल ने उनके हौसले को नहीं तोड़ा। कृत्रिम पैर के सहारे दोबारा चलना सीखा और फिर निशानेबाजी को अपनी पहचान बना लिया। आज 19 साल की उम्र में रुद्रांश देश के प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। उनके नाम निशानेबाजी में करीब 95 पदक और चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भरतपुर के पैरा निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया। इस ऐतिहासिक पल के दौरान समारोह में मौजूद उनके माता-पिता की आंखें खुशी से नम हो गईं। यह सम्मान केवल उनकी खेल उपलब्धियों का नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का भी प्रतीक है

आतिशबाजी के हादसे ने बदल दी जिंदगी

24 जनवरी 2015 रुद्रांश के जीवन का सबसे कठिन दिन साबित हुआ। उस समय उनकी उम्र महज आठ वर्ष थी। एक शादी समारोह में आतिशबाजी के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनके पैर में संक्रमण फैल गया और स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि चिकित्सकों को उनकी जान बचाने के लिए बायां पैर काटना पड़ा।इसके बाद करीब एक साल तक वह घर पर रहे। मां विनीता खंडेलवाल के अनुसार, रुद्रांश दूसरे बच्चों को खेलते देखकर

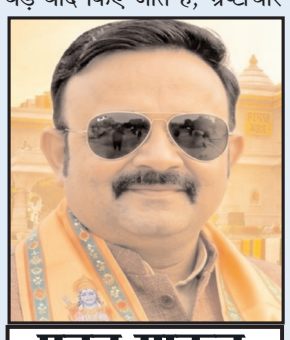


खुद भी खेलने की इच्छा जताते थे। वह अक्सर मां से पूछते थे कि क्या वह भी दोबारा खेल पाएंगे? माता-पिता आशुतोष और विनीता ने बेटे का हौसला बनाए रखा। कृत्रिम पैर की मदद से रुद्रांश ने फिर चलना सीखा और धीरे-धीरे साइकिल चलाने तक लगे।

लोहागढ़ स्टेडियम से शुरू हुआ निशानेबाजी का सफर

वर्ष 2016-17 में मां विनीता रुद्रांश को भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम लेकर गईं। वहां पहली बार उन्होंने एयर पिस्टल निशानेबाजी देखी। मां को लगा कि यह खेल उनका बेटा भी खेल सकता है। रुद्रांश की रुचि को देखते हुए

भ्रष्टाचार किसी एक दल की बपौती नहीं, पूरी व्यवस्था के लिए लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौती



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारतीय लोकतंत्र दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक है। यहां हर पांच साल में जनता को अपनी सरकार चुनने का अवसर मिलता है। चुनाव आते हैं, राजनीतिक दल जनता के बीच पहुंचते हैं, बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की घोषणाएं होती हैं और एक-दूसरे पर आरोपों की बौछार शुरू हो जाती है। जनता भी उम्मीद करती है कि इस बार शायद व्यवस्था बदलेगी, प्रशासन में पारदर्शिता आएगी और सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल जनहित में होगा। लेकिन चुनाव समाप्त होते ही एक पुराना सवाल फिर सामने खड़ा हो जाता है–आखिर भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं कि सत्ता बदलने के बावजूद यह समस्या खत्म होने का नाम नहीं लेती? भ्रष्टाचार भारतीय राजनीति की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। यह किसी एक राजनीतिक दल, विचारधारा, सरकार या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इसे केवल कांग्रेस, भाजपा या किसी क्षेत्रीय दल के खाते में डालकर लोकतंत्र की इस बीमारी को समझना संभव नहीं है। आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस के कार्यकाल में कई बड़े घोटालों के आरोप सामने आए। बाद के वर्षों में भाजपा सहित अन्य दलों की सरकारों पर भी भ्रष्टाचार, पक्षपात, सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक संरक्षण जैसे आरोप लगते रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि सभी आरोप प्रमाणित हैं या सभी दल समान रूप से दोषी हैं। लेकिन यह जरूर स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को किसी एक पार्टी के राजनीतिक नारे तक सीमित नहीं रखा जा सकता। भारतीय राजनीति में एक अजीब विरोधाभास दिखाई देता है। विपक्ष में रहते हुए हर राजनीतिक दल भ्रष्टाचार को लोकतंत्र के लिए खतरा बताता है। सत्ताधारी दल के खिलाफ जांच, गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की जाती है। चुनावी मंचों से यह भरोसा दिलाया जाता है कि सत्ता में आते ही भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन जब वही दल सत्ता में पहुंचता है, तो जनता को कई मामलों में जांच की धीमी गति, लंबी कानूनी प्रक्रिया और अधूरे परिणामों का सामना करना पड़ता है। यहां सवाल केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि संस्थागत जवाबदेही का भी है। किसी भी भ्रष्टाचार के मामले में जांच निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध होनी चाहिए। यदि जांच एजेंसियों की कार्रवाई राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार होती दिखाई दे, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सत्ताधारी दल इन आरोपों को निराधार बताता है। ऐसे में जरूरी है कि जांच एजेंसियां किसी सरकार या राजनीतिक दल के प्रभाव से मुक्त होकर काम करें और उनकी कार्रवाई का आधार केवल उपलब्ध साक्ष्य हों। जनता के मन में एक बड़ा सवाल यह भी है कि जो नेता चुनाव के दौरान एक-दूसरे को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरते हैं, वे सत्ता में आने के बाद उन मामलों को निर्णायक अंजाम तक क्यों नहीं पहुंचा पाते? कई बार राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहता है, लेकिन जांच और न्यायिक प्रक्रिया वर्षों तक आगे नहीं बढ़ पाती। कुछ मामलों में आरोपी बरी हो जाते हैं, कुछ में मुकदमे लंबित रहते हैं और कुछ में जांच की दिशा को लेकर विवाद खड़े हो जाते हैं। इसी तरह दल-बदल की राजनीति भी संदेह और सवालों को जन्म देती है। जब किसी नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं और वह राजनीतिक पाला बदलकर सत्ताधारी दल में शामिल हो जाता है, तो विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि उसके खिलाफ जांच की रफ्तार धीमी पड़ गई है या कार्रवाई का दबाव कम हो गया है। हर मामले में इस आरोप को सच मान लेना उचित नहीं होगा, लेकिन ऐसे मामलों में जांच की स्थिति और कार्रवाई का सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने आना चाहिए। कानून का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए–न कोई राजनीतिक संरक्षण, न राजनीतिक प्रतिशोध और न ही किसी को केवल राजनीतिक पहचान के आधार पर राहत या सजा। भ्रष्टाचार की चर्चा केवल सरकारी ठेकों, घोटालों और रिश्वत तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राजनीतिक नेताओं की घोषित संपत्ति में होने वाली वृद्धि भी सार्वजनिक निगरानी का महत्वपूर्ण विषय है। चुनावी हलफनामों में उम्मीदवार अपनी संपत्ति, देनदारियों और अन्य जानकारियों का विवरण देते हैं। कई बार लगातार चुनाव लड़ने वाले नेताओं की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई देती है। संपत्ति बढ़ना अपने आप में भ्रष्टाचार का प्रमाण नहीं है, क्योंकि इसके पीछे वैध आय, कारोबार, विरासत और निवेश जैसे कारण भी हो सकते हैं। लेकिन जब संपत्ति में असामान्य वृद्धि दिखाई दे और उसके स्रोत स्पष्ट न हों, तब निष्पक्ष जांच की मांग पूरी तरह जायज है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके प्रतिनिधियों की संपत्ति किन स्रोतों से बढ़ी है। सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति की आय और संपत्ति के विवरण में पारदर्शिता होनी चाहिए। बेनामी संपत्तियों, हितों के टकराव और सरकारी फैसलों से निजी लाभ उठाने के मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यही व्यवस्था जनता के विश्वास को मजबूत कर सकती है। यह मान लेना भी गलत होगा कि भ्रष्टाचार केवल राजनीतिक गलियारों में मौजूद है।

आज का राशिफल

(सोमवार) 16 नवम्बर 2026

मेष – आज आपको अपने पुराने दोस्तों या सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बनाई गई योजनाएं सफल होंगी।

वृषभ – दिन की शुरुआत में कुछ छोटी उलझनें रह सकती हैं, लेकिन पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी अजनबी से मुलाकात फायदेमंद है।

मिथुन – संपत्ति से जुड़े किसी पुराने विवाद में कोर्ट-कचहरी में जीत मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों को किसी अच्छी कंपनी से बेहतर ऑफर की संभावना है।

कर्क – व्यापार और साझेदारी के कार्यों में नए अवसर सामने आएंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी भागदौड़ या चिंता हो सकती है।

सिंह – करियर के लिहाज से दिन बहुत शानदार रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या कार्यक्षेत्र में बड़ी उन्नति की सूचना मिल सकती है।

कन्या – आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से बहस या विवाद से बचें।

तुला – व्यावसायिक और आर्थिक दृष्टि से दिन अत्यंत लाभकारी रहेगा। पुराने मतभेद और गलतफहमियां दूर होंगी।

वृश्चिक – आर्थिक मामलों में दिन मजबूत रहेगा और धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा।

धनु – खर्चों में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आमदनी अच्छी होने से मानसिक तनाव नहीं रहेगा।

मकर – पार्टनरशिप में व्यापार करने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

कुंभ – यह दिन आपके लिए बेहद शुभ और ऊर्जावान रहने वाला है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिल सकता है।

मीन – व्यापारियों को किसी ग्राहक या पार्टी की वजह से थोड़ी मानसिक उलझन हो सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

38 साल पुरानी चिट्ठियां देखकर भावुक हुए दादा

1988 में भारतीय वायु सेना के चयन पत्र सहित स्मृतियों को देखकर आंखें भर आईं



आज के डिजिटल युग में जहां रिश्तों की बातचीत व्हाट्सऐप संदेशों, ईमेल, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया पोस्ट तक सिमटती जा रही है, वहीं दशकों पुराने कागजी पत्र आज भी भावनाओं की ऐसी विरासत संभाले हुए हैं, जिन्हें समय भी मिटा नहीं पाता।

मोबाइल फोन में हजारों तस्वीरें और संदेश रखने वाली आज की पीढ़ी शायद इस बात की कल्पना भी न कर सके कि कभी एक पत्र का इंतजार पूरे परिवार के लिए कितनी बड़ी खुशी और उत्सुकता का विषय हुआ करता था। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी ही भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई है, जिसने लोगों को अपने परिवार, माता-पिता के प्रेम और बीते समय की यादों से जोड़ दिया है। कहानी एक ऐसे पिता की है, जिन्होंने अपने बेटे के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक से जुड़ा चयन पत्र और अन्य दस्तावेज करीब 38 वर्षों तक संभालकर रखे। जब इतने वर्षों बाद उन्होंने इन पत्रों को अपनी पोती के सामने खोला, तो पुरानी यादें ताजा हो गईं और उनकी आंखों में गर्व तथा भावनाओं के आंसू छलक पड़े।

वायरल जानकारी के अनुसार, इस भावुक कहानी की शुरुआत वर्ष 1988 से होती है। यह वह दौर था, जब सरकारी नौकरी मिलना किसी भी मध्यमवर्गीय परिवार के लिए बड़ी उपलब्धि माना जाता था। और अगर किसी युवा का चयन भारतीय वायुसेना में हो जाए, तो यह केवल नौकरी मिलने की खुशी नहीं, बल्कि देश की सेवा करने का गौरव भी होता था। इसी वर्ष परिवार के बेटे ने अपनी मेहनत और लगन से भारतीय वायुसेना में चयन हासिल किया था। बेटे की इस उपलब्धि ने पिता के मन में गर्व और खुशी की ऐसी छाप छोड़ी, जिसे वह जीवनभर अपने साथ रखना चाहते थे। बेटे के चयन की सूचना से जुड़े आधिकारिक पत्र और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब घर पहुंचे, तो पिता के लिए वे साधारण कागज नहीं रह गए। उन पत्रों में उन्हें अपने बेटे की मेहनत, उसके सपनों, संघर्ष और सफलता की पूरी कहानी दिखाई देती थी। परिवार के लिए वह क्षण जीवन की यादगार घटनाओं में शामिल हो गया। पिता ने उन दस्तावेजों को सुरक्षित रखने का फैसला किया और धीरे-धीरे वे उनके लिए एक अनमोल धरोहर बन गए। समय का पहिया लगातार घूमता रहा। 1988 का वह युवा आगे बढ़ा, उसका करियर शुरू हुआ और परिवार की जिंदगी भी नए पड़ावों से गुजरती रही। घर में नई पीढ़ी आई, बच्चे बड़े हुए और परिवार की जिम्मेदारियां बदलती रहीं। लेकिन पिता के पास रखे वे पुराने पत्र अपनी जगह सुरक्षित रहे। करीब 38 वर्षों तक उन्होंने उन दस्तावेजों को संभालकर रखा। न जाने कितनी बार घर की चीजें बदली होंगी, कितने सामान इधर से उधर हुए होंगे और कितने पुराने कागज समय के साथ खो गए होंगे, लेकिन बेटे की सफलता से जुड़े इन पत्रों को पिता ने कभी अपने से दूर नहीं होने दिया। यह बात अपने आप में बेहद भावुक करने वाली है कि एक पिता ने बेटे की उपलब्धि को केवल उस समय की खुशी मानकर नहीं छोड़ा, बल्कि उसे अपने जीवन की ऐसी स्मृति बना लिया, जिसे वह आने वाली पीढ़ी को भी दिखाना चाहते थे।

उनके लिए इन पत्रों का महत्व उनकी उम्र या कागज की कीमत से नहीं, बल्कि उनसे जुड़ी भावनाओं से था। हाल ही में जब बुजुर्ग पिता ने अपने पास सुरक्षित रखे 1988 के उन पत्रों को बाहर निकाला और अपनी पोती को दिखाया, तो घर का माहौल भावनाओं से भर गया। पोती के लिए यह केवल पुराने दस्तावेज देखने का अवसर नहीं था, बल्कि अपने पिता के जीवन के उस महत्वपूर्ण अध्याय को जानने का मौका भी था, जिसके बारे में शायद उसने पहले इतनी गहराई से नहीं सुना था। दादा ने जब उन पत्रों को हाथ में लिया, तो उनके सामने 38 साल पुराना समय फिर से जीवंत हो उठा। बेटे के चयन की खबर, परिवार की खुशी और उस समय का गर्व जैसे उनकी आंखों के सामने लौट आया। पुराने कागजों को देखते हुए उनकी आंखें भर आईं।

उन आंसुओं में बेटे की सफलता की खुशी, बीते समय की यादें और एक पिता के मन में वर्षों से संजोया हुआ प्रेम झलक रहा था। पोती के लिए भी यह क्षण खास बन गया। आज की पीढ़ी के सामने परिवार के इतिहास को समझने का एक ऐसा अवसर था, जिसमें उसे केवल अपने पिता की उपलब्धि के बारे में ही नहीं, बल्कि अपने दादा के भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी जानने को मिला। जिन पत्रों को दादा ने दशकों तक संभालकर रखा था, वे अब अगली पीढ़ी के लिए भी परिवार की कहानी का हिस्सा बन गए।

हर मुस्कुराते चेहरे के पीछे एक अनकही कहानी होती है!



इंसान के चेहरे पर मुस्कान हमेशा उसके मन की प्रसन्नता का प्रतिबिंब नहीं होती। कई बार होंठों पर हँसी होती है, लेकिन हृदय के भीतर अनगिनत पीड़ाएँ मौन होकर बैठी होती हैं। दुनिया इंसान के चेहरे को पढ़ती है, लेकिन उसके अंतर्मन में चल रहे संघर्ष को समझने का प्रयास बहुत कम लोग करते हैं। आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति अपने तरीके से जीवन का संघर्ष कर रहा है। कोई पारिवारिक जिम्मेदारियों से थका हुआ है, कोई आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहा है, तो कोई रिश्तों में मिली निराशा को हृदय में दबाकर जी रहा है। कोई अपने अधूरे सपनों की पीड़ा सह रहा है, तो कोई अपनों के बीच रहकर भी अकेलेपन का अनुभव कर रहा है। फिर भी इन सबके बीच वह दुनिया के सामने मुस्कुराता हुआ चेहरा लेकर खड़ा रहता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति को हँसते हुए देखते हैं, तो सहज ही मान लेते हैं कि उसका जीवन सुखी होगा। लेकिन क्या कभी सोचा है कि उस मुस्कान के पीछे कितनी रातों की बेचैनी होगी? कितनी अधूरी इच्छाएँ होंगी? कितने आँसू होंगे, जिन्हें किसी की नजरों से बचाने के लिए अकेले में बहा दिया गया होगा? कुछ लोग अपनी पीड़ा व्यक्त करना पसंद नहीं करते। उन्हें डर रहता है कि शायद उनकी व्यथा सुनने वाला कोई नहीं होगा, या फिर उनकी भावनाओं को उनकी कमजोरी समझ लिया जाएगा। परिणामस्वरूप वे अपने भीतर की वेदना को मौन का आवरण पहना देते हैं। धीरे-धीरे यह मौन उनके स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। वास्तव में, इंसान को हमेशा सलाह की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी उसे केवल ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत होती है, जो उसकी बात निःस्वार्थ भाव से सुने। कोई ऐसा साथी चाहिए, जो पूछे कि 'सब ठीक है न?' और जवाब में मिलने वाले औपचारिक 'हाँ' के पीछे छिपी पीड़ा को भी समझ सके। रिश्तों की सच्ची खूबसूरती भी यहीं छिपी है। किसी की खुशी में हँसना आसान है, लेकिन किसी की उदासी में उसके पास चुपचाप बैठना ही सच्ची संवेदनशीलता है। हर समस्या का समाधान देना जरूरी नहीं होता, कभी-कभी केवल किसी की मौजूदगी ही उसे हिम्मत दे जाती है। हम सोशल मीडिया के युग में जी रहे हैं, जहाँ लोग अपने जीवन के खूबसूरत पलों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं। तस्वीरों में मुस्कान है, यात्राएँ हैं, उत्सव हैं और सफलता की झलक है। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का वास्तविक जीवन कोई नहीं देख पाता। क्योंकि हर व्यक्ति अपने जीवन के खूबसूरत पन्ने ही दुनिया को दिखाना चाहता है, जबकि संघर्ष के पन्ने अक्सर अपने तक ही सीमित रखता है। इसीलिए किसी की मुस्कान देखकर उसके जीवन का निर्णय नहीं करना चाहिए। किसी की खामोशी को अहंकार नहीं समझना चाहिए और किसी के अकेलेपन को उसकी पसंद मान लेने की भूल भी नहीं करनी चाहिए। संभव है कि जो व्यक्ति आज सबको हँसा रहा है, उसे ही किसी के स्नेहभरे शब्दों की सबसे अधिक आवश्यकता हो। जीवन में धन-संपत्ति, प्रतिष्ठा और सफलता से भी अधिक मूल्यवान चीज मानवीय संवेदना है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना भी एक प्रकार की सेवा है। किसी की बात ध्यान से सुनना, कठिन समय में उसका साथ देना और उसकी भावनाओं का सम्मान करना ही मानवता के सच्चे लक्षण हैं। हम इतना तो कर ही सकते हैं कि अपने आसपास के लोगों के प्रति थोड़े अधिक संवेदनशील बनें। किसी से मिलते समय केवल औपचारिकता न निभाएँ, बल्कि उसके सुख-दुख को समझने का प्रयास करें। क्योंकि कभी-कभी एक छोटा-सा स्नेहभरा शब्द भी किसी के जीवन में आशा की किरण बन सकता है। अंत में बस इतना ही समझना जरूरी है कि हर मुस्कुराता हुआ चेहरा सुखी हो, यह आवश्यक नहीं और हर मौन व्यक्ति के पास कहने के लिए कुछ न हो, यह भी जरूरी नहीं। कुछ लोग अपनी आँखों में समंदर छिपाकर होंठों पर मुस्कान सजाए रखते हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम चेहरों को नहीं, भावनाओं को पढ़ना सीखें। क्योंकि इंसान को इंसान बनाने वाली चीज उसकी मुस्कान नहीं, बल्कि दूसरों की पीड़ा को समझ सकने वाला उसका संवेदनशील हृदय है!

शंकरसिंह वाघेला का सियासी प्रहार: 'आदिवासी इलाकों में आकर यह दिखावा बंद करें!' सत्ता में बैठे नेताओं को घेरा, जल-जंगल-जमीन और विकास पर मांगा जवाब

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला एक बार फिर अपने तीखे राजनीतिक बयान को लेकर चर्चा में हैं। राज्य के आदिवासी इलाकों के दौरे के दौरान एक सार्वजनिक मंच से उन्होंने राजनीतिक नेताओं और सत्ता में बैठे लोगों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में आकर दिखावा करना बंद किया जाना चाहिए। उनके इस बयान ने गुजरात के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। वाघेला ने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय के विकास, जमीन के अधिकार, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की बातें करने वाले कई नेता वास्तव में इन मुद्दों के समाधान के बजाय राजनीतिक लाभ लेने में अधिक रुचि दिखाते हैं। शंकरसिंह वाघेला ने अपने संबोधन में कहा कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं या कोई बड़ा सरकारी कार्यक्रम आयोजित होता है, तब राजनीतिक नेताओं का आदिवासी क्षेत्रों में आना-जाना बढ़ जाता है। कई नेता पारंपरिक वेशभूषा पहनते हैं, आदिवासी संस्कृति और नृत्य के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं तथा बड़े-बड़े भाषण देकर चले जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इन आयोजनों के बाद आदिवासी परिवारों के जीवन में कितना बदलाव आता है? केवल मंच से घोषणाएं करने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होने से किसी समुदाय की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। आदिवासी समाज को दिखावे की नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले विकास और अपने अधिकारों की सुरक्षा की जरूरत है। वाघेला ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद और विकास के नाम पर बड़े बजट की घोषणाओं के बावजूद कई आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं की कमी बनी हुई है। कुपोषण, बेरोजगारी और रोजगार की तलाश में पलायन जैसी समस्याएं भी गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे में राजनीतिक नेताओं को यह बताना चाहिए कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए आवंटित धन का कितना उपयोग हुआ और योजनाओं का वास्तविक लाभ कितने परिवारों तक पहुंचा। उन्होंने आदिवासी समुदाय के जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। वाघेला ने कहा कि आदिवासी समाज का जीवन प्रकृति और उसके संसाधनों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनकी संस्कृति, परंपराएं और आजीविका जल, जंगल और जमीन पर निर्भर करती हैं। ऐसे में बड़े प्रोजेक्ट्स और विकास योजनाओं के नाम पर यदि आदिवासी परिवारों को उनकी जमीन और पारंपरिक संसाधनों से दूर किया जाता है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। विकास की योजनाएं ऐसी होनी चाहिए, जिनमें आदिवासी समुदाय के अधिकारों और हितों की अनदेखी न हो। गुजरात की राजनीति में आदिवासी क्षेत्र हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। अंबाजी से लेकर उमरगाम तक फैले आदिवासी बहुल क्षेत्रों में राजनीतिक दलों की सक्रियता चुनाव के समय और बढ़ जाती है। कांग्रेस, भाजपा और अन्य राजनीतिक दल आदिवासी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं। ऐसे राजनीतिक माहौल में शंकरसिंह वाघेला का बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में विकास और राजनीतिक जवाबदेही को लेकर उठाया गया सवाल भी माना जा रहा है। वाघेला के बयान के बाद यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर आदिवासी समुदाय को चुनावी वादों से आगे वास्तविक रूप में क्या मिला है। क्या शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार हुआ है? क्या स्थानीय युवाओं को पर्याप्त रोजगार मिल रहा है?

क्या किसानों और आदिवासी परिवारों को सिंचाई तथा सड़क जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं? क्या जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों की रक्षा प्रभावी ढंग से हो रही है? इन सवालों का जवाब केवल राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि सरकारी आंकड़ों, योजनाओं के परिणामों और जमीनी हकीकत से मिलना चाहिए।

आदिवासी क्षेत्रों के विकास को लेकर अब राजनीतिक दलों के सामने जवाबदेही का सवाल भी खड़ा हो रहा है। जनता यह जानना चाहती है कि वर्षों से घोषित योजनाओं का वास्तविक लाभ किसे मिला, कितनी परियोजनाएं पूरी हुईं और कितनी अभी भी अधूरी हैं। केवल बजट आवंटित कर देना विकास की गारंटी नहीं है। जरूरी है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में भी उचित भागीदारी मिले।फिलहाल, शंकरसिंह वाघेला के इस बयान ने गुजरात की राजनीति में आदिवासी विकास के मुद्दे को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

11 साल की उम्र में बना आठ जिंदगियों का रक्षक, ओम प्रकाश यादव की बहादुरी को देश का सलाम

कुछ कहानियां उम्र की सीमाओं को तोड़ देती हैं और कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जिन पर वक्त के दिए निशान भी बहादुरी की पहचान बन जाते हैं। आमतौर पर 11 साल की उम्र में बच्चे अपने खेल, खिलौनों और स्कूल की दुनिया में मस्त रहते हैं, लेकिन इसी उम्र में ओम प्रकाश यादव ने ऐसा साहस दिखाया, जिसे सुनकर हर किसी का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना जलती हुई स्कूल वैन में फंसे आठ बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर यह साबित कर दिया कि बहादुरी का संबंध उम्र, ताकत या कद-काठी से नहीं, बल्कि हौसले और दूसरों के प्रति संवेदना से होता है। यह हादसा उस समय हुआ, जब बच्चे रोज की तरह स्कूल वैन में सवार होकर अपने विद्यालय जा रहे थे। सफर सामान्य चल रहा था, तभी अचानक वैन में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी गाड़ी धुएं से भर गई। अंदर बैठे मासूम बच्चे घबरा गए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। किसी को बाहर निकलने का रास्ता समझ नहीं आ रहा था। कुछ ही पलों में बच्चों का सामान्य सफर जिंदगी और मौत के संघर्ष में बदल गया। ऐसे भयावह माहौल में 11 वर्षीय ओम प्रकाश यादव ने जो किया, वह असाधारण साहस की मिसाल बन गया। जब दूसरे बच्चे डर और घबराहट में फंसे हुए थे, तब ओम प्रकाश ने अपने डर से ऊपर उठकर दूसरों की जिंदगी बचाने का फैसला किया। उन्होंने जलती हुई वैन में फंसे बच्चों को एक-एक करके बाहर निकालना शुरू किया। घना धुआं, आग की लपटें और हर पल बढ़ता खतरा भी उनके इरादे को कमजोर नहीं कर सका। अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना वह बार-बार बच्चों को बचाने में जुटे रहे और आखिरकार आठ मासूमों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल हुए। इस बहादुरी की भारी कीमत उन्हें खुद चुकानी पड़ी। बच्चों को बचाने के दौरान ओम प्रकाश भी आग की चपेट में आ गए और उनका शरीर लगभग 80 प्रतिशत तक झुलस गया। जिस उम्र में बच्चे अपने भविष्य के सपने संजोते हैं, उस उम्र में ओम प्रकाश ने दूसरों के भविष्य को बचाने के लिए अपनी जिंदगी को जोखिम में डाल दिया। उनका यह साहस केवल एक घटना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, निस्वार्थता और अदम्य इच्छाशक्ति का उदाहरण है। ओम प्रकाश के शरीर और चेहरे पर आग के निशान जरूर रह गए, लेकिन ये निशान उनकी पहचान को कम नहीं करते, बल्कि उनके साहस की कहानी कहते हैं। किसी व्यक्ति की सुंदरता उसके चेहरे से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और चरित्र से पहचानी जाती है। ओम प्रकाश के लिए ये निशान किसी पदक से कम नहीं, क्योंकि इनके पीछे आठ बच्चों की सुरक्षित जिंदगी और एक ऐसे बालक की कहानी छिपी है, जिसने संकट की घड़ी में असाधारण हिम्मत दिखाई। उनकी कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि बहादुरी का अर्थ केवल बड़े-बड़े काम करना नहीं है। कभी-कभी किसी दूसरे की मदद के लिए आगे बढ़ना ही सबसे बड़ा साहस होता है। ओम प्रकाश ने उस दिन न तो अपनी उम्र देखी, न अपनी ताकत और न ही खतरे का हिसाब लगाया। उन्होंने सिर्फ इतना देखा कि कुछ मासूम बच्चे मुसीबत में हैं और उन्हें बचाने की जरूरत है। आज ओम प्रकाश यादव का नाम उन बच्चों के लिए प्रेरणा है, जो अपने भीतर कुछ अच्छा करने का जज्बा रखते हैं। उनका साहस हमें सिखाता है कि इंसान की असली पहचान उसके पद, उम्र या बाहरी रूप से नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त में लिए गए उसके फैसलों से बनती है। महानगर मेट्रो परिवार इस नन्हे बहादुर ओम प्रकाश यादव को दिल से सलाम करता है। उन्होंने आठ बच्चों को नया जीवन देकर यह साबित किया कि नायक बनने के लिए उम्र बड़ी होना जरूरी नहीं, दिल बड़ा होना जरूरी है।



महिलाओं ने बनाया चोरी का प्लान, शटर तोड़कर दुकान में घुसीं और समेट ले गईं कीमती सामान

छोला मंदिर इलाके में ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग की दुकान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। भोपाल में चोरी की एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसमें संदिग्ध महिलाएं शामिल नजर आ रही हैं. छोला मंदिर इलाके में ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग की दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसी महिलाओं ने करीब 40 से 50 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया. पूरी घटना CCTV में कैद है. पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है.मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चोरी की वारदात को अंजाम देने का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां संदिग्ध महिलाओं के एक गैंग ने ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग की दुकान को निशाना बनाया. रात के अंधेरे में दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसी महिलाओं ने करीब 40 से 50 हजार रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया. चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.मामला भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र का है. मालवा चिकन शॉप के पास स्थित ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग की दुकान में अज्ञात महिलाओं ने चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया. सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध महिलाएं दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश करती दिखाई दे रही हैं. इसके बाद वे दुकान में रखा कीमती सामान समेटकर वहां से निकल जाती हैं.वारदात के बाद आरोपी महिलाएं मौके से फरार हो गईं. सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान पर पहुंचा तो टूटा हुआ शटर देखकर उसके होश उड़ गए. अंदर जांच करने पर पता चला कि दुकान से कीमती सामान गायब है. चोरी किए गए सामान की कीमत करीब 40 से 50 हजार रुपये आंकी गई है.दुकान में चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित दुकानदार ने छोला मंदिर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी. शिकायत में चोरी की वारदात और गायब हुए सामान की जानकारी दी गई है. इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी.पुलिस अब दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है. फुटेज में संदिग्ध महिलाओं की गतिविधियां कैद हुई हैं, जिनके आधार पर उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है. पुलिस का प्रयास है कि आरोपियों का पता लगाकर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाए.फिलहाल, छोला मंदिर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

गोंडा रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने की सुसाइड की कोशिश, RPF-GRP ने समय रहते बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गोंडा। गोंडा रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने शनिवार को गले में रस्सी का फंदा डालकर सुसाइड का प्रयास किया। सूचना मिलने पर आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने मौके पर पहुंचकर युवक की जान बचाई।गोंडा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब प्लेटफॉर्म संख्या छह पर फुट ओवरब्रिज के निकट एक व्यक्ति ने गले में रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों ने बिना वक्त गंवाए मोर्चा संभाला। अपनी जान जोखिम में डालकर पोल पर चढ़े जवानों ने फंदा खोलकर व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतार लिया। पुलिसकर्मियों की इस त्वरित कार्रवाई से एक अनमोल जिंदगी बच गई।घटना शनिवार सुबह करीब 11:10 बजे की है। प्लेटफॉर्म संख्या छह पर पोल नंबर GD/L-~/vy के पास व्यक्ति को फंदे पर लटका देखकर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कांस्टेबल विनोद कुमार ने तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही जीआरपी के हेड कांस्टेबल सुरेंद्र प्रजापति और आरपीएफ कांस्टेबल विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान शुरू किया। दोनों जवान पोल पर चढ़े और सूझबूझ दिखाते हुए व्यक्ति के गले से फंदा खोलकर उसे नीचे उतार लिया।बचाए गए व्यक्ति को तत्काल रेलवे चिकित्सक से प्राथमिक उपचार दिलाया गया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल गोंडा में भर्ती कराया गया, जहां सर्जिकल वार्ड के बेड संख्या 338 पर उसका उपचार चल रहा है। उसकी पहचान शंकर नेपाली पुत्र खड़क नेपाली, निवासी वार्ड संख्या आठ, रुकुम पश्चिम, नेपाल के रूप में हुई है। मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए घटना की जानकारी उसके पिता और जीजा को भी दे दी है।

गोरखपुर में ठेकेदार ने पत्नी से विवाद के बाद उठाया खौफनाक कदम,

खुद को गोली मारकर दी जान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर में एक ठेकेदार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों में हाहाकार मचा हुआ है, पुलिस की प्रथम दृष्टिया जांच में मामला सुसाइड का सामने आया है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।राम गढ़ताल थाना क्षेत्र के फुलवरिया निवासी, 47 वर्षीय ठेकेदार अजीत सिंह ने शनिवार की देर रात खुद को गोली मार कर आत्म हत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को अजीत सिंह का अपनी पत्नी के साथ विवाद हुआ था, बताया जा रहा है। उसके बाद वह अपने कमरे में गए और रात करीब 12 बजे खुद की लाइसेंसी रिवॉल्वर से सर में गोली मार कर आत्महत्या कर ली। तेज आवाज सुनकर परिजन उनके कमरे की तरफ दौड़े, जहां अजीत को उन्होंने लहूलुहान अवस्था में पड़े मिले आनंद सागर में उन्हें अस्पताल आ गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया।मौके पर पहुंची पुलिससूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और सब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम में भी साक्ष्य जुटाए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है।सीओ ने दी जानकारीइस संदर्भ में सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या जांच में मामला गृह कलह का सामने आया है। परिजनों से पूछताछ के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, फिलहाल विवाद की वजह सामने नहीं आई है।

50 हजार स्टूडेंट्स को मिले टैबलेट, CM योगी ने लखनऊ में दी बड़ी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 लाख टैबलेट बांटने के दूसरे चरण की शुरुआत हो गई है. जनजातीय गौरव दिवस पर शुरू योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से इस अभियान का शुभारंभ किया. इस मौके पर चार जिलों के 300 शैक्षणिक संस्थानों के 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं और प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए. इनमें लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के संस्थान शामिल हैं. यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत आयोजित किया गया. CM योगी ने बताया कि सरकार ने 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने का लक्ष्य रखा था. पहले चरण में 60 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को ये डिवाइस दिए जा चुके हैं. अब दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट बांटने का अभियान शुरू किया गया है. CM योगी ने 15 नवंबर को इस कार्यक्रम की शुरुआत करने की वजह भी बताई. उन्होंने कहा कि यह दिन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है. महज 25 साल की उम्र में उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया था. योगी ने उनके संघर्ष को देश की आजादी की लड़ाई का अहम हिस्सा बताया. यही वजह है कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण अभियान की शुरुआत 25 दिसंबर 2021 को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर की गई थी. उस समय कोरोना महामारी के कारण पढ़ाई और परीक्षाएं प्रभावित हो रही थीं. कोविड नियमों की वजह से छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में परेशानी हो रही थी. ऐसे में सरकार ने 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने का फैसला किया था, ताकि वे तकनीक के जरिए अपनी पढ़ाई जारी रख सकें.इस दौरान CM योगी ने कहा कि भारत युवाओं की बड़ी



आबादी वाला देश है. उत्तर प्रदेश में भी युवा आबादी काफी अधिक है. उन्होंने युवाओं से अपनी ताकत पहचानने और मेहनत के दम पर आगे बढ़ने की अपील की.सीएम योगी ने कहा कि सरकार चाहती है कि किसी भी युवा की प्रतिभा संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए. हर युवा को आगे बढ़ने के लिए जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए. इस दौरान, उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौरान युवाओं के भविष्य पर ध्यान देने के बजाय उन्हें जाति, क्षेत्र और परिवारवाद की राजनीति में उलझाए रखा गया. युवाओं को तकनीक से जोड़ने के लिए भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया.

ब्रजेश पाठक ने सपा सरकार पर साधा निशाना

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी की पिछली सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय उत्तर प्रदेश की पहचान कट्टा उद्योग वाले प्रदेश के रूप में बन गई थी. उनके मुताबिक, आज प्रदेश के युवाओं के हाथ में कंप्यूटर, मोबाइल और टैबलेट हैं. सरकार ने उनकी जरूरत को समझते हुए ये संसाधन उपलब्ध कराए हैं.पाठक ने बिजली व्यवस्था का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि पहले लोग पूछते थे कि बिजली दिन में आती है या रात में, जबकि अब पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली मिल रही है. उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब राजस्व अधिशेष वाला राज्य है.

गाजियाबाद में मर्डर... गली के लड़कों से भाई का हो गया झगड़ा, बहन विरोध करने पहुंची तो सिर में मार दी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर इलाके में शनिवार रात 35 साल की पूजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई. वह भाई दूज पर मायके आई हुई थी. आरोप है कि भाई अमन के साथ मारपीट की शिकायत लेकर आरोपियों के घर पहुंची थी. तभी विवाद हुआ. इसी दौरान पूजा के सिर में गोली मार दी गई.गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर की इंदिरापुरी कॉलोनी में शनिवार की रात मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया. भाई के साथ मारपीट की शिकायत लेकर बहन आरोपियों के घर पहुंची थी. इसी दौरान 35 साल की पूजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई. आरोप है कि विवाद के दौरान हमलावरों ने पूजा के सिर में गोली मार दी.गंभीर हालत में उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. घटना से गुस्साए परिजनों ने आरोपियों के घर में जमकर तोड़फोड़ कर दी. हंगामे और तनाव की सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली.घटना इंदिरापुरी कॉलोनी के डी-ब्लॉक की है. यहां रहने वाले बाबूलाल की बेटी पूजा की शादी दादरी के रहने वाले नरेंद्र से हुई थी. पूजा की दो बेटियां हैं. भाई दूज पर पूजा अपने मायके आई थी.शनिवार रात पूजा का भाई अमन घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर बैठा था. इसी दौरान दूसरी गली में रहने वाले कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया. युवकों ने अमन के साथ मारपीट की और तमंचे की बट से हमला कर उसे घायल कर दिया.भाई के साथ हुई मारपीट की जानकारी मिलने पर पूजा शिकायत करने आरोपियों के घर पहुंच गई. वहां दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद हो गया. इसी दौरान पूजा को गोली मार दी गई. गोली उसके सिर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी. पूजा की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. गुस्साए परिजनों ने आरोपियों के घर पहुंचकर तोड़फोड़ शुरू कर दी. इससे कॉलोनी में तनाव का माहौल बन गया.डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी. गोली लगने से घायल पूजा को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच की. परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुटी है. कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. शुरुआती जानकारी में विवाद की वजह गली में शौच करने से एक युवक को मना करना बताया जा रहा है. पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

बागेश्वर धाम में तनाव के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा, भगवान कृष्ण पर धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी से आमने-सामने आए दो पक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो



छतरपुर। जिले में स्थित बागेश्वर धाम के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के बाद उपजे विवाद को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है. शुक्रवार को अखिल भारतीय यादव महासभा के सदस्यों और धीरेंद्र शास्त्री के समर्थकों के बीच आमना-सामना हो गया था. इस दौरान समर्थकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग भी जाम कर दिया था.बागेश्वर धाम छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 24 किलोमीटर दूर स्थित है. शनिवार को यहां पुलिस की तैनाती के बीच हालात सामान्य बताए जा रहे हैं. छतरपुर के पुलिस अधीक्षक (SP) रजत सकलेचा ने फोन पर बताया कि बागेश्वर धाम के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है. हालांकि, इसे शुक्रवार के विवाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए.एसपी के मुताबिक, शनिवार और मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान हनुमान के दर्शन के लिए धाम पहुंचते हैं. ऐसे में इन दोनों दिनों में सामान्य तौर पर भी पुलिस की सीमित तैनाती की जाती है. उन्होंने बताया कि शुक्रवार को ही तनाव की स्थिति खत्म हो गई थी.

भगवान कृष्ण पर टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, 29 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा में रामकथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान राम और भगवान कृष्ण के स्वरूपों की तुलना की थी. उन्होंने कहा था कि राम सीधे खड़े होते हैं, जबकि कृष्ण तीन जगह से झुके हुए दिखाई देते हैं. भगवान कृष्ण की इसी मुद्रा को 'त्रिभंगी' कहा जाता है.अपने संबोधन में शास्त्री ने भगवान कृष्ण की बांसुरी और वृंदावन का भी जिक्र किया था. इसके साथ ही उन्होंने अयोध्या और वृंदावन की तुलना भी की थी. उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मथुरा और वृंदावन के संतों तथा कृष्ण भक्तों ने आपत्ति जताई.आपत्ति जताने वालों का कहना था कि भगवान राम और भगवान कृष्ण दोनों समान रूप से पूजनीय हैं. ऐसे में दोनों के बीच इस तरह की तुलना करना उचित नहीं है. इस टिप्पणी को लेकर धार्मिक और सामाजिक संगठनों में नाराजगी बढ़ने लगी.

यादव महासभा के प्रदर्शन से बढ़ा तनाव

विवाद बढ़ने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने वीडियो संदेश जारी कर सफाई दी थी. उन्होंने कहा था कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच कोई अंतर नहीं है. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें इसका खेद है.इसके बावजूद अखिल भारतीय यादव महासभा ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था. संगठन का आरोप था कि धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी से भगवान कृष्ण और यादव समाज का अपमान हुआ है. इससे समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं

बुलंदशहर में महिला सहकर्मी पर चाकू से हमला करने वाला असद पुलिस मुठभेड़ में घायल, दोनों पैरों में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर । बुलंदशहर में डायग्नोस्टिक सेंटर में अपनी महिला सहकर्मी पर चाकू से हमला करने के आरोपी असद को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. पुलिस के मुताबिक, हथियार बरामद कराने के दौरान आरोपी ने छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी. बुलंदशहर के खुर्जा में एक डायग्नोस्टिक सेंटर में काम करने वाली महिला पर उसके सहकर्मी ने चाकू से हमला कर दिया था. इसके बाद पुलिस ने आरोपी असद को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि पुलिस जब आरोपी को उसकी निशानदेही पर हथियार की बरामदगी करने पहुंची तो उसने छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी है. मामला बुलंदशहर जिले के खुर्जा इलाके का है. खुर्जा के CO अनिल शाही के मुताबिक, 14 नवंबर की दोपहर असद ने डायग्नोस्टिक सेंटर में अपनी महिला सहकर्मी पर चाकू से हमला किया था. हमले में महिला घायल हो गई. उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. एक ही जगह काम करने वाले दो लोगों के बीच ऐसा क्या हुआ कि मामला चाकू से हमले तक पहुंच गया? फिलहाल इसकी वजह नहीं सामने आई है. महिला और असद के बीच पहले से कोई विवाद था या नहीं, इस बारे में भी डिटेल नहीं है. घटना के बाद पुलिस ने असद को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद पुलिस को हमले में इस्तेमाल हथियार की तलाश थी. CO अनिल शाही के मुताबिक, असद ने पुलिस को



एक जगह बताई थी, जहां कथित तौर पर हमला करने वाला हथियार रखा हुआ था. पुलिस टीम उसे लेकर वहां पहुंची. पुलिस का दावा है कि इसी दौरान असद ने वहां छिपाकर रखे तमंचे से पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी. पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की. इसमें गोली असद के दोनों पैरों में लगी और वह घायल हो गया.CO अनिल शाही ने बताया कि इस मामले में FIR दर्ज कर ली गई है. पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है. इस घटना में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. हमले की वजह क्या थी, असद ने महिला पर चाकू से हमला क्यों किया और मुठभेड़ से जुड़े बाकी पहलू क्या हैं, इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे.

'बच्चों को पास कराना है तो बेलपत्र चढ़ाओ', मशहूर कथावाचक पर दिग्विजय सिंह का तंज, बोले- खुद का बेटा ही हो गया फेल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इन दिनों 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' पर हैं। उज्जैन से शुरू होकर अयोध्या तक जाने वाली यह यात्रा शनिवार को अशोकनगर पहुंची। शहर के तुलसी पार्क पर आयोजित एक सभा के दौरान दिग्विजय सिंह ने देश के कुछ लोकप्रिय कथावाचकों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आज के दौर में कुछ कथावाचक धर्म का प्रचार करने के बजाय मंचों से केवल राजनीतिक भाषण दे रहे हैं और विशेष राजनीतिक दलों का पक्ष ले रहे हैं।सभा को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने बिना किसी का नाम लिए एक कथावाचक के उस दावे पर कटाक्ष किया जिसमें कथित तौर पर बच्चों को पढ़ाई के बजाय केवल भगवान की आराधना करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'एक कथावाचक हैं, मैं उनका नाम नहीं लूंगा। वे कहते हैं कि बच्चों को पढ़ने की कोई जरूरत नहीं है, बस परीक्षा से पहले भगवान शिव पर एक बेलपत्र चढ़ा दो, बच्चा पास हो जाएगा।

भोपाल में गोवंश वध के आरोप को लेकर गरमाया माहौल, बुलडोजर एक्शन की मांग को लेकर धरने पर बैठे हिंदूवादी संगठन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी के जहांगीराबाद क्षेत्र में रविवार तड़के उस वक्त सनसनी फैल गई जब गोवंश वध की सूचना पर हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता हरकत में आ गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच सूचना मिलने पर संबंधित इलाके में पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं का दावा है कि मौके पर पांच गायें जीवित अवस्था में मिलीं, जबकि तीन गायों के अवशेष वहां पड़े हुए थे। इस घटना के विरोध में सुबह होते ही कार्यकर्ताओं ने चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ फौरन सख्त कदम उठाने की मांग की



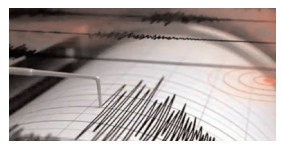
जहांगीराबाद थाने पर धरने पर बैठे कार्यकर्ता

विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विरोध जताने के दौरान उन पर हमला किया गया और उनके वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। इसके बाद आक्रोशित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जहांगीराबाद थाने पहुंच गए और थाने का घेराव कर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि मौके से बरामद अवशेषों का तुरंत चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाए, घटना में संलिप्त लोगों की भूमिका स्पष्ट की जाए और कार्यकर्ताओं पर हमला करने तथा वाहन तोड़ने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। साथ ही, उन्होंने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग भी उठाई।

खरगोन में 4.5 तीव्रता का भूकंप, SP ने कहा- बंगले की खिड़कियां और आलमारी हिलने लगीं, कोई जनहानि नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन । खरगोन जिले में शनिवार सुबह 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। तेज कंपन महसूस होते ही लोगों में दहशत फैल गई और वे अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ह्यस्ट्स) के अनुसार, भूकंप सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर आया। भूकंप का केंद्र खरगोन जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र 21.590 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।खरगोन एसपी रवींद्र वर्मा ने बताया कि वह अपने शासकीय बंगले में बैठे थे, तभी अचानक तेज कंपन महसूस हुआ। इस दौरान बंगले की खिड़कियां और अलमारी हिलने लगीं। उनके बच्चे भी घबरा गए। वर्मा के अनुसार, कंपन काफी तेज था और करीब दो से तीन सेकंड तक महसूस हुआ। शहर के अमन नगर, करीम नगर और गुलशन नगर सहित विभिन्न इलाकों में भी लोगों ने धरती में कंपन महसूस किया। अचानक आए झटकों से घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर तक इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। एसपी वर्मा ने बताया कि खरगोन शहर के अलावा भीकनगांव से भी भूकंप के झटके महसूस होने की सूचना मिली है। वहीं, कलेक्टर गुरु प्रसाद ने बताया कि जिले के विभिन्न स्थानों से कंपन की जानकारी मिल रही है। संबंधित अधिकारियों को अलर्ट कर स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है।

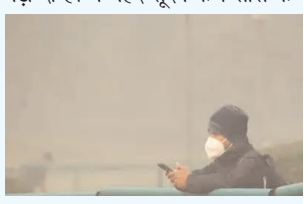


mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (सोमवार)
16 नवंबर 2026

दिल्ली की हवा में PMv कणों का बढ़ता खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच अब पीएम2.5 से भी छोटे पीएम1 कणों ने चिंता बढ़ा दी है। ये बेहद सूक्ष्म कण सांस के जरिए फेफड़ों के गहरे हिस्सों तक पहुंच सकते हैं। चिंता की बात यह है कि इनकी नियमित सरकारी निगरानी सीमित है और इनसे बचाव को लेकर भी चुनौतियां बनी हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य प्रदूषण से बचाव के लिए



इस्तेमाल किए जाने वाले एन-95 मास्क भी हर परिस्थिति में पूरी सुरक्षा की गारंटी नहीं देते। पीएम1 का आकार एक माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। ये कण इतने छोटे होते हैं कि आंखों से दिखाई नहीं देते। निजी सेंसर नेटवर्क पर्पलएयर के आंकड़ों के अनुसार, 14 नवंबर को दिल्ली के मालचा मार्ग पर दोपहर 3:28 बजे पीएम1 का स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। वहीं, 10 मिनट का औसत स्तर 89.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। इसी वर्ष अक्टूबर में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान की अटल प्रयोगशाला में भी मैनुअल तरीके से पीएम1 की जांच शुरू की गई है। हालांकि, इसका आंकड़ा फिलहाल निर्णय सहायता प्रणाली पर उपलब्ध नहीं है। ऐसे में राजधानी में इन सूक्ष्म प्रदूषक कणों की वास्तविक स्थिति का नियमित आकलन करना चुनौती बना हुआ है।

8 साल पहले शुरू हुई थी पीएम1 की निगरानी

21 जुलाई 2018 को चांदनी चौक स्थित टाउन हॉल के पास सफर का वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र शुरू किया गया था। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे द्वारा विकसित यह देश का पहला ऐसा केंद्र था, जहां पीएम1 के साथ पारे, ब्लैक कार्बन और पराबैंगनी सूचकांक की वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था की गई थी। इससे पहले वर्ष 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी बड़े शहरों में पीएम1 की निगरानी शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन इसके बावजूद आज भी देश में पीएम1 से जुड़े सरकारी आंकड़े सीमित हैं।

दिल्ली के बवाना में दोहरा हत्याकांड, पहले सचिन की गोली मारकर हत्या, फिर भाई ने आरोपी को मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके के पूठ खुर्द गांव में शनिवार देर रात आपसी विवाद के बाद दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया। यहां पहले 27 वर्षीय युवक सचिन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद सचिन के भाई नरेश ने कथित तौर पर आरोपी सोनू उर्फ प्रदीप की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इसी दौरान एक युवक ने सचिन को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सचिन के भाई नरेश ने कथित तौर पर आरोपी सोनू उर्फ प्रदीप को पकड़ लिया और उसकी हत्या कर दी। इस तरह कुछ ही समय के भीतर दो लोगों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को सचिन का शव अस्पताल में मिला, जबकि दूसरे मृतक सोनू उर्फ प्रदीप का शव घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक गली में पड़ा हुआ था। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की।



सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भाई गिरफ्तार

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए। जांच के आधार पर पुलिस ने सचिन के भाई नरेश को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों पक्षों के बीच विवाद किस बात को लेकर हुआ था और वारदात के पीछे की वास्तविक वजह क्या थी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

छठ पूजा पर रोक से भड़का आक्रोश, पालघर की नागेला झील का ताला तोड़कर अंदर घुसे श्रद्धालु; इलाके में तनाव



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में नागेला झील के किनारे छठ पूजा करने पर प्रशासन की ओर से रोक लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। शनिवार शाम पूजा के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने झील के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगाए गए ताले को तोड़ दिया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। वहीं, ताला तोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, नालासोपारा के गाला नगर इलाके में स्थित नागेला झील में छठ पूजा करने पर प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया था। आदेश का पालन कराने के लिए झील के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला लगा दिया गया था। शनिवार शाम चार दिवसीय छठ पर्व के तहत पूजा करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने जब झील का गेट बंद देखा तो उनमें नाराजगी फैल गई। इसके बाद आक्रोशित महिलाओं के एक समूह ने प्रवेश द्वार पर लगे ताले को तोड़ दिया और झील परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की। घटना के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वायरल वीडियो में श्रद्धालुओं का समूह गेट का ताला तोड़ता दिखाई दे रहा है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति

घटना की सूचना मिलने पर अचोले पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस घटना के संबंध में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसी वजह से फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। छठ पर्व के दौरान श्रद्धालु जलाशयों के किनारे एकत्र होकर अस्त होते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। नागेला झील पर पूजा को लेकर लगाए गए प्रतिबंध के बाद पैदा हुए विवाद ने प्रशासन की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की नाराजगी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

उड़ान भरते ही इंडिगो विमान के लैंडिंग गियर में आई खराबी, पुणे एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग; 192 यात्री सुरक्षित

पुणे एयरपोर्ट पर आपातकालीन तैयारियां, तीन दमकल गाड़ियां और दो एंबुलेंस तैनात; सुबह 9:04 बजे सुरक्षित उतरा इंडिगो का विमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डे पर रविवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब गुवाहाटी जा रहे इंडिगो के एक विमान में उड़ान भरने के तुरंत बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लैंडिंग गियर में समस्या आने के कारण उसे वापस पुणे एयरपोर्ट लौटना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हवाई अड्डे पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित कुल 192 लोग सवार थे। राहत की बात यह रही कि सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 0623 (वीटी-आईजेडई) ने पुणे से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ ही देर बाद पायलट ने हवाई यातायात नियंत्रण को विमान के लैंडिंग गियर में खराबी की सूचना दी। बताया गया कि विमान के पहिए अंदर नहीं जा पा रहे थे और बाहर ही रह



गए थे। इसके बाद पायलट ने विमान को वापस पुणे लाने का निर्णय लिया।

एयरपोर्ट पर घोषित की गई पूर्ण आपात स्थिति

तकनीकी खराबी की सूचना मिलते ही पुणे हवाई अड्डा प्राधिकरण ने भारतीय वायु सेना, हवाई यातायात नियंत्रण और इंडिगो सहित संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय शुरू कर दिया। भारतीय वायु सेना ने पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी। किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए दमकल की गाड़ियां, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को सतर्क कर दिया गया।

सुबह 9:04 बजे सुरक्षित उतरा विमान

अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर विमान ने रनवे के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरी, ताकि लैंडिंग गियर की स्थिति का दृश्य निरीक्षण किया जा सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित तरीके से उतारने की प्रक्रिया पूरी की गई। विमान सुबह 9 बजकर 4 मिनट पर पुणे हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

दमकल और एंबुलेंस की निगरानी में निकाले गए यात्री

विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद उसे दमकल की तीन गाड़ियों और दो एंबुलेंस की निगरानी में बे नंबर सात तक ले जाया गया। विमान की स्थिति सामान्य पाए जाने के बाद सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर पूर्ण आपात स्थिति वापस ले ली गई। इसके बाद सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया।

बेंगलुरु से भेजा जाएगा वैकल्पिक विमान

इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत बेंगलुरु से एक अन्य विमान पुणे भेजने की तैयारी की जा रही है। तकनीकी खराबी के कारण उड़ान प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि समय रहते की गई कार्रवाई से सभी 192 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

दिल्ली के टाइल्स-मार्बल कारोबारियों पर गैंगस्टर विक्की हड्डल की नजर, कारोबारी से मांगी 2 करोड़ की रंगदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में टाइल्स और मार्बल कारोबारियों को विदेश में बैठे गैंगस्टर नितिन डबास उर्फ विक्की हड्डल की ओर से निशाना बनाए जाने का मामला सामने आया है। कनाडा में बैठकर आपराधिक नेटवर्क चलाने वाले विक्की पर कारोबारियों को धमकाकर रंगदारी मांगने का आरोप है। बवाना और कीर्ति नगर के बाद अब मंगोलपुर कलां के एक टाइल्स कारोबारी से 2 करोड़ रुपये की मांग की गई है। कारोबारी को लगातार फोन कॉल और वॉयस नोट भेजकर धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी कारोबारी को फोन और संदेशों के जरिए धमका रहा है। उसे जान से मारने की धमकी देकर रुपये देने का दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों को आशंका है कि कारोबारियों की जानकारी और उनकी आर्थिक स्थिति से जुड़ी जानकारियां किसी अंदरूनी व्यक्ति के माध्यम से बाहर पहुंचाई जा रही हैं। हालांकि, मंगोलपुर कलां के पीड़ित कारोबारी ने



अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। इससे पहले 19 अक्टूबर को पूंठ खुर्द में एक टाइल्स गोदाम पर फायरिंग हुई थी। इस मामले में पुलिस ने सुल्तानपुर डबास के अरुण शर्मा और आंध्र प्रदेश के सूरज को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि अरुण इंस्टाग्राम के जरिए विक्की के संपर्क में आया था। इसके बाद उसे इंटरनेट कॉलिंग के लिए विशेष ऐप के माध्यम से बातचीत करने को कहा गया। दोनों आरोपियों को बहादुरगढ़ से हथियार और रुपये उपलब्ध कराए गए थे।

यूपी के दो आरोपी भी गिरफ्तार

कीर्ति नगर में 20 अक्टूबर को एक मार्बल कारोबारी के गोदाम पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रोहित और हसीब को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस इन घटनाओं को कारोबारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर डर पैदा करने और रंगदारी वसूलने की साजिश से जोड़कर जांच कर रही है।

कनाडा से संचालित कर रहा आपराधिक नेटवर्क

पुलिस के मुताबिक, बवाना के पूंठ खुर्द गांव का रहने वाला विक्की हड्डल करीब तीन साल पहले कनाडा चला गया था। वहां से वह अपना आपराधिक नेटवर्क संचालित कर रहा है। बताया जा रहा है कि उसका संबंध अमेरिका में हिरासत में लिए गए हरियाणा के गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ रिटौलिया के गिरोह से भी है।

दुकान में काम करती थी युवती, चेंजिंग रूम में मिली लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली के मोती नगर में एक दुकान के चेंजिंग रूम से युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, युवती इसी दुकान में काम करती थी, जहां एक युवक भी कर्मचारी था. पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है. फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति साफ होगी. देश की राजधानी दिल्ली के मोती नगर इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक दुकान के चेंजिंग रूम से युवती का शव बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. मामला मोती नगर के 5/8 ब्लॉक का है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मृतका इसी दुकान में काम करती थी. बताया जा रहा है कि वहां एक युवक भी कर्मचारी के तौर पर काम करता था. दुकान के चेंजिंग रूम में युवती का शव मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई. उसकी मौत के पीछे क्या वजह रही और घटना के समय दुकान में क्या हुआ था, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.



पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगी मौत की वजह

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में युवती की मौत की असली वजह सामने नहीं आई है. पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ दुकान से जुड़ी परिस्थितियों की भी पड़ताल कर रही है. फिलहाल, पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. युवती की मौत हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा.

MMR फिर बढ़े CNG के दाम, 1.5 रुपये महंगी हुई, 91.50 रुपये प्रति किलो हुई गैस, अब बढ़ेगा किराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई : मंहगाई की मार झेल रहे लोगों को एक और झटका लगा है। मुंबई और आसपास के महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रहने वाले लोगों को अब मंहगी सीएनजी मिलेगी। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में सीएनजी का खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई दरें शनिवार आधी रात से लागू कर दी गई हैं।

1 नवंबर को ही बढ़ाए थे एक रुपये दाम

एमजीएल की ओर से इस साल सीएनजी की कीमतों में की गई यह आठवीं बढ़ोतरी है। कंपनी ने इससे पहले 1 नवंबर को भी सीएनजी के दाम में एक रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था। इस तरह पिछले 15 दिनों में ही गैस की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, पिछले 75 दिनों के दौरान सीएनजी कुल 5.50 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 से लेकर अब तक मुंबई में सीएनजी की कीमतों में कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हो चुकी है। इस अवधि में गैस के दाम करीब 14 प्रतिशत



तक बढ़ गए हैं। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी संकट मुख्य वजह

सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी संकट को भी एक प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इस संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की कम उपलब्धता और आयातित गैस की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की खरीद लागत में इजाफा हुआ है। इसी वजह से गैस की कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

किराया हो सकता है महंगा

वहीं, सीएनजी के दाम बढ़ने का सबसे ज्यादा असर ऑटो रिक्शा, टैक्सी और अन्य सीएनजी से चलने वाले वाहनों के मालिकों पर पड़ने की आशंका है। ईंधन महंगा होने से उनके रोजाना के परिचालन खर्च में वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि अब पब्लिक ट्रांसपोर्ट का किराया भी बढ़ सकता है। साल 2026 की शुरुआत में मुंबई में सीएनजी 80.50 रुपए प्रति किलो के भाव पर मिल रही थी। इसके बाद से अब तक कुल 8 बार दाम बढ़ाए जा चुके हैं। सितंबर की शुरुआत से अब तक ही कीमतों में 5.50 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हो चुकी है।

महाराष्ट्र FDA की बड़ी कार्रवाई, 1.9 करोड़ रुपये के खाद्य पदार्थ और हेल्थ सप्लीमेंट्स जब्त; पुणे के वैशाली-रूपाली रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मिलावट और खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्यभर में की गई इस कार्रवाई के दौरान करीब 1.9 करोड़ रुपये के खाद्य पदार्थ, हेल्थ सप्लीमेंट्स और अन्य उत्पाद जब्त किए गए हैं। वहीं, खराब स्वच्छता व्यवस्था पाए जाने पर पुणे के दो प्रसिद्ध रेस्टोरेंट होटल वैशाली और रूपाली रेस्टोरेंट के खाद्य कारोबार लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। एफडीए की ओर से शनिवार को जारी बयान के अनुसार, 13 नवंबर को राज्य के छह संभागों में हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का कारोबार करने वाले 17 प्रतिष्ठानों का एक साथ निरीक्षण किया गया। इस दौरान करीब 1.38 करोड़ रुपये का ऐसा स्टॉक जब्त किया गया, जिसमें ऐसे घटक पाए गए जिनके अनुमोदन के आवेदन भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण पहले ही खारिज कर चुका था। पुणे, नासिक, कोंकण, नागपुर, अमरावती और छत्रपति संभाजीनगर संभाग में की गई जांच के दौरान हेल्थ सप्लीमेंट्स और विशेष आहार उपयोग वाले खाद्य उत्पादों में मैग्नीशियम एसिटाइल टॉरेट और निकोटिनामाइड मोनोन्यूक्लियोटाइड जैसे घटकों का इस्तेमाल पाया गया।

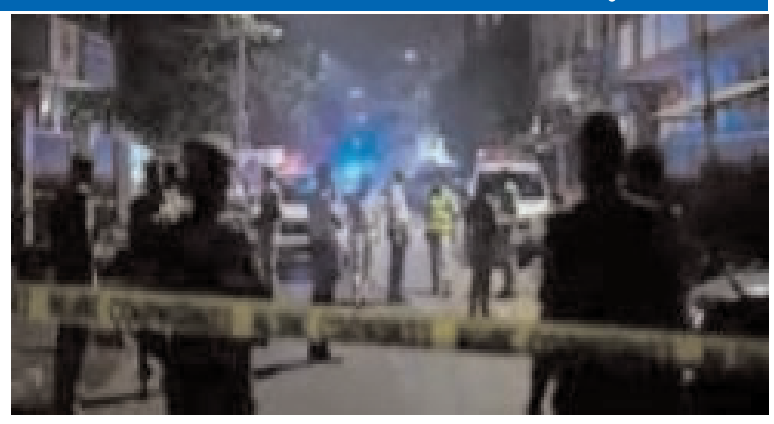
बिना मंजूरी बनाए और बेचे जा रहे थे उत्पाद

एफडीए अधिकारियों के अनुसार, संबंधित निर्माताओं ने आवश्यक मंजूरी प्राप्त किए बिना इन उत्पादों का निर्माण किया था। वहीं, कुछ विक्रेता अपने लाइसेंस में संबंधित खाद्य श्रेणी शामिल किए बिना ही इनकी बिक्री कर रहे थे। विभाग ने संदिग्ध उत्पादों का स्टॉक जब्त कर उनके नमूने जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेज दिए हैं. कार्रवाई के दौरान नागपुर संभाग से 57.30 लाख रुपये के हेल्थ सप्लीमेंट्स जब्त किए गए। इसके अलावा कोंकण संभाग से 47.65 लाख रुपये और पुणे संभाग से 30.57 लाख रुपये का संदिग्ध स्टॉक पकड़ा गया। एफडीए की ओर से राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की जांच की गई। कार्रवाई के तहत पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज रोड स्थित प्रसिद्ध होटल वैशाली और रूपाली रेस्टोरेंट के खाद्य कारोबार लाइसेंस भी निलंबित कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने इन प्रतिष्ठानों में खराब स्वच्छता व्यवस्था पाए जाने के बाद यह कदम उठाया। एफडीए की इस कार्रवाई से खाद्य पदार्थों और हेल्थ सप्लीमेंट्स के कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों में हड़कंप मच गया है।

पश्चिमी दिल्ली में कार के अंदर मिले होमगार्ड और महिला के शव, सल्फास के पैकेट मिलने से बढ़ी जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके में एक कार के अंदर होमगार्ड जवान और एक महिला के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों की पहचान सुरेंद्र (46) और गीता (45) के रूप में हुई है। पुलिस को कार के अंदर 10-10 ग्राम के सल्फास के पैकेट भी मिले हैं। फिलहाल पुलिस मामले को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के रूप में देखते हुए जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों के शव बुधवार को लाल फार्म इलाके में खड़ी एक सफेद कार में मिले थे। सूचना मिलने पर मोहन गार्डन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तारक अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण वे बयान देने की स्थिति में नहीं थे। बाद में दोनों की मौत हो गई। जांच में सामने आया है कि सुरेंद्र पिछले करीब 15 वर्षों से होमगार्ड के रूप में कार्यरत थे और जहांगीरपुरी इलाके में तैनात थे। वह सुल्तानपुरी में अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे। वहीं, गीता के भी दो बेटे हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सुरेंद्र और गीता एक-दूसरे को करीब 10 वर्षों से जानते



थे। सुरेंद्र की गीता के पति से भी पहचान थी।

तीसरी मौत से भी जुड़ सकती हैं जांच की कड़ियां

पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि गीता के पति की भी 17 अक्टूबर को शाहबाद डेयरी इलाके में कथित तौर पर जहर खाने से मौत हो गई थी। ऐसे में पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि तीनों मौतों के बीच कोई संबंध है या नहीं। इस पहलू को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

सीसीटीवी , फॉरेंसिक साक्ष्यों की जांच

पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही कार और घटनास्थल से जुड़े डिजिटल तथा फॉरेंसिक साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। पुलिस दोनों के आपसी संबंधों, घटनाक्रम और मौत से जुड़ी परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मौत के कारणों और तीनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध को लेकर जांच जारी है।

पीएनबी की डिजिटल कारोबार के विस्तार के जरिये गैर-ब्याज आय बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

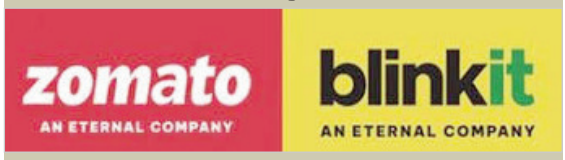
सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), अपनी गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए डिजिटल कारोबार के विस्तार पर जोर दे रहा है। बैंक को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष से क्रेडिट कार्ड और नकदी प्रबंधन सेवाओं से प्रत्येक तिमाही में लगभग 200-200 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा, जिससे कुल 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकेगा। पीएनबी के एक अ धिकारी ने बताया कि बैंक ने क्रेडिट कार्ड, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन सेवा के लिए अलग-अलग डिजिटल मंच तैयार किए हैं। उनका लक्ष्य है कि शुल्क आधारित आय में वृद्धि कर ट्रेजरी से होने वाली कमाई और ऋण वसूली से जुड़ी संभावित चुनौतियों का सामना किया जा सके। बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या 6.04 लाख से बढ़ाकर लगभग 11 लाख कर दी है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 13 लाख से अधिक करना है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण में नौ महीने में 5,200 करोड़ रुपये का बकाया पोर्टफोलियो बन चुका है। नकदी प्रबंधन सेवा से मौजूदा 130-140 करोड़ रुपये के तिमाही मुनाफे को भी 200 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इन आय स्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ पीएनबी परिचालन लागत कम करने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में लागत-आय अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे और 2028-29 तक 45 प्रतिशत तक लाना है, जो वर्तमान में 50.38 प्रतिशत है। चंद्रा के अनुसार, ये पहल बैंक की समग्र लाभप्रदता में और सुधार करेंगी।

भारत-मिस्र ऊर्जा सहयोग पर जोर, गोयल ने अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक से की मुलाकात

काहिरा ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी मिस्र यात्रा के दौरान 14 नवंबर को काहिरा में मिस्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष अहमद अल्स्वेदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य भारत-मिस्र के बीच व्यापारिक एवं निवेश सहयोग को नई दिशा देना और भारत में अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करना था। गोयल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि बैठक के दौरान विद्युत उपकरण, स्मार्ट मीटर और डेटा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अल्स्वेदी को भारत के विशाल बाजार, तीव्र विकास और निवेश, नवोन्मेषण व कारोबार विस्तार के व्यापक अवसरों से अवगत कराया। बिजली केबल, समाधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य हो सकता है। गोयल 132 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जोमैटो-ब्लिंकइट की कंपनी ईवी लक्ष्य की समयसीमा पर पुनर्विचार करेगी



नई दिल्ली ।

जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी इटर्नल ने वर्ष 2030 तक अपने डिलिवरी बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में बदलने के लक्ष्य पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कंपनी ने व्यापार विस्तार, ईवी उपलब्धता और सरकारी नीतियों को इस बदलाव का मुख्य कारण बताया है। कंपनी की एक व रिष्ठ अ धिकारी ने स्वीकार किया कि मौजूदा परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। जब लक्ष्य तय हुआ, तब 1.5 लाख सक्रिय पार्टनर थे, जो अब बढ़कर 12 लाख (जोमैटो व ब्लिंकइट) हो गए हैं। इस विस्तार ने ईवी बदलाव को जटिल बना दिया है। अब यह लक्ष्य केवल दोपहिया नहीं, बल्कि हाइपरप्योर के ट्रकों सहित पूरे इटर्नल समूह के बेड़े पर लागू होगा। इटर्नल हरित परिवहन के प्रति प्रतिबद्ध है और इसे आर्थिक रूप से भी लाभदायक मानती है। कंपनी के बेड़े में पहले से ही 12-13 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जो बाजार औसत से दोगुना है। कंपनी भागीदारों को प्रोत्साहन, किराये के विकल्प देकर इसे बढ़ावा दे रही है। हालांकि, अंजलि कुमार ने कहा कि 900 शहरों में लाखों भागीदारों के लिए भरोसेमंद व किफायती ईवी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि ईवी नीतियां बनाते समय भागीदारों की आर्थिक स्थिति व आजीविका का ध्यान रखना अहम है। नए लक्ष्य की समयसीमा 2035 तक बढ़ाई जा सकती है, जिसका निर्णय ईवी नीति के क्रियान्वयन पर निर्भर होगा।

रेजरपे आईपीओ को मिली सेबी की मंजूरी, 6,500 करोड़ तक जुटाएगी कंपनी

2027 की पहली तिमाही में लिस्टिंग संभव, वित्त वर्ष 25 में राजस्व बढ़ा, लेकिन घाटा भी हुआ

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे को आखिरकार शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 5,500 से 6,500 करोड़ रुपए तक जुटाना है और इसकी लिस्टिंग 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। यह कदम फिनटेक सेक्टर में रेजरपे की बढ़ती साख और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है, हालांकि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ घाटा भी दर्ज किया गया है। सेबी की मंजूरी और वैल्यूएशन की स्थिति रेजरपे को हाल ही में सेबी से ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेजों पर अंतिम टिप्पणियां मिली थीं, जिसके बाद कंपनी अब अपनी लिस्टिंग की दिशा में आगे बढ़ सकती है। कंपनी ने जून में गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था। बाजार में रेजरपे का संभावित वैल्यूएशन करीब 5 अरब डॉलर (लगभग 49,000-50,000 करोड़ रुपए) आंका जा रहा है, जो 2021 में मिले 7.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम है। आईपीओ में 2,700 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेच सकेंगे। एक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल इस आईपीओ के प्रमुख सलाहकार हैं। बाजार का रुख और रेजरपे की रणनीति रेजरपे ऐसे समय में आईपीओ ला रही है, जब नई टेक कंपनियों की कमाई, ग्रोथ और वैल्यूएशन पर निवेशक कड़ी नजर रख रहे हैं। वॉलमार्ट समर्थित फोनपे जैसी कंपनियों ने भी बाजार की अनिश्चितता के कारण अपनी आईपीओ योजना टाल दी थी। 2014 में स्थापित, रेजरपे कारोबारियों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सहित विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने अपने ऑफलाइन पेमेंट कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है,



जिससे लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने मई 2025 में अमेरिका से भारत मुख्यालय स्थानांतरित कर रिवर्स फ्लिप प्रक्रिया पूरी की है, जिससे भारतीय बाजार में लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 91.50 रुपए प्रति किलो पहुंचा दाम

साल में आठवीं बढ़ोतरी, जनवरी से अब तक 11 रुपये महंगा हुआ ईंधन

नई दिल्ली ।

मुंबई और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं, जिसने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार, 15 नवंबर को सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया, जिसके बाद अब इसका खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ये नई दरें 14 नवंबर की आधी रात से लागू हो गई हैं। यह इस साल की आठवीं वृद्धि है। जनवरी में 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम रही सीएनजी की कीमत में अब तक कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जो लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस वृद्धि से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में लगभग 12.93 लाख सीएनजी वाहनों, जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी गाड़ियां शामिल हैं, के मालिकों का ईंधन खर्च बढ़ जाएगा। महानगर गैस लिमिटेड ने कीमतों में बढ़ोतरी की वजह गैस खरीदने की बढ़ती लागत, घरेलू प्राकृतिक गैस के कम आवंटन और आयातित रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस पर बढ़ती निर्भरता को बताया है। कंपनी के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव ने उनकी इनपुट लागत को काफी बढ़ा दिया है। एमजीएल ने कहा कि यह बढ़ोतरी लागत के बढ़ते बोझ को कुछ हद तक कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई है। कंपनी लागत नियंत्रण के प्रयास जारी रखने का दावा कर रही है।

टाटा स्टील 27 तक एनआईएनएल विलय पूरा करेगा

40 हजार करोड़ रुपए के विस्तार का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील वित्त वर्ष 2026-27 तक नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अपने साथ विलय करने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है। कंपनी के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस रणनीतिक कदम से ओडिशा में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यकारी निदेशक चटर्जी ने पुष्टि की कि विलय प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। हालांकि, इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है, जिसकी सुनवाई इसी महीने के अंत में प्रस्तावित है। विलय की मंजूरी मिलते ही टाटा स्टील एनआईएनएल की मौजूदा 10 लाख टन सालाना क्षमता में करीब 50 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी। यह 40,000 करोड़ रुपए का विस्तार मुख्य रूप से लंबे इस्पात उत्पादों, जैसे सरिया, के उत्पादन पर केंद्रित होगा। टाटा स्टील ने जुलाई 2022 में 12,100 करोड़ रुपए में एनआईएनएल का अधिग्रहण किया था। एनआईएनएल केंद्र सरकार की निजीकरण प्रक्रिया के तहत निजी हाथों में जाने वाली पहली सरकारी इस्पात कंपनी थी। यह विलय टाटा स्टील की ओडिशा में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इस्पात कारोबार को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी प्रमुख सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंज्यूमर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य



क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था।

यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने



2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अ धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सेबी पूंजी बाजार में एआई इस्तेमाल के दिशानिर्देश जारी करेगा

निवेशक हित, पारदर्शिता व वित्तीय स्थिरता पर जोर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। सेबी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि इनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के साथ निवेशकों के हितों, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि इन दिशानिर्देशों में एआई के उपयोग की जानकारी देना, निर्णयों की जवाबदेही तय करना और महत्वपूर्ण फैसलों में मानवीय निगरानी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। सेबी ने इस विषय पर पहले भी एक परामर्श पत्र जारी किया था। सेबी प्रमुख ने वित्तीय संस्थानों व सोशल मीडिया धोखाधड़ी से बढ़ते साइबर खतरों पर भी बात की। नियामक अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रहा है, जिसके तहत मई में एक व्यवस्थित घटना-प्रतिक्रिया व्यवस्था शुरू की गई है। क्वांटम कंप्यूटिंग से संभावित खतरों के लिए सेबी मौजूदा कूटलेखन प्रणालियों की पहचान कर रहा है, क्योंकि 2032-2035 के बीच ये जोखिम गंभीर हो सकते हैं, जिसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। सेबी ने बाजार



निगरानी के लिए सुदर्शन जैसे तकनीकी उपकरण भी विकसित किए हैं। नियामक स्टार्टअप के लिए इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (आईजीपी) को आकर्षक बनाने हेतु एक कार्यदल का गठन कर चुका है।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में 84,290 करोड़ निवेश किया

वैश्विक एआई शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बनी प्रमुख वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में जोरदार वापसी दर्ज की है। लगातार दो महीने की शुद्ध बिकवाली के बाद एफपीआई ने नवंबर के पहले पखवाड़े (2 से 13 नवंबर) में भारतीय इक्विटी बाजारों में 84,290 करोड़ रुपये का विशाल शुद्ध निवेश किया है। यह पूंजी प्रवाह वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट जैसे अनुकूल कारकों से प्रेरित है, जिसने निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

पूंजी प्रवाह और कारणों का विश्लेषण डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निवेश अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये और सितंबर में 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव है। इस ताजा निवेश के साथ, चालू वर्ष में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी घटकर लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये रह गई है, जो कुछ सप्ताह पहले करीब तीन लाख करोड़ रुपये थी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस वापसी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली ने निवेशकों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित बाजारों से हटकर अन्य बाजारों में निवेश के अवसर तलाशने पर मजबूर किया।

इसके अतिरिक्त, नवंबर के पहले सप्ताह में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट और इसका 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आना भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहा। बड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन भी एक वजह है।

सरकारी ठेकों में कम बोली पर शिकंजा, 30 फीसदी से अधिक छूट पर होगी जांच

गुणवत्ता व पारदर्शिता पर जोर, बोलीदाताओं से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली ।

सरकारी ठेकों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु वित्त मंत्रालय ने एक अहम कदम उठाया है। अब अनुमानित लागत से 30 फीसदी से अधिक कम मूल्य की बोली लगाने वाली कंपनियों की अनिवार्य रूप से जांच होगी। सरकारी खरीद में असामान्य रूप से कम बोली (एएलबी) की पहचान के लिए यह नई सीमा तय की गई है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के नए दिशा-निर्देशों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल कम कीमत की प्रतिस्पर्धा में काम की गुणवत्ता और समयबद्धता प्रभावित न हो। ऐसे मामलों में, संबंधित सरकारी एजेंसी बोली लगाने वाली कंपनी से लिखित स्पष्टीकरण मांगेगी, जिसमें उसे इतनी कम लागत में कार्य पूरा करने का विस्तृत तरीका बताना होगा। आवश्यकता पड़ने पर विस्तृत लागत विश्लेषण भी मांगा जा सकता है। हालांकि, केवल



कम बोली लगाना सीधे अस्वीकृति का कारण नहीं बनेगा। जांच के दौरान यदि कंपनी यह साबित करने में विफल रहती है कि वह प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता का काम करने में सक्षम है, तभी उसकी बोली रद्द की जा सकती है। पहले कम बोली की पहचान के लिए कोई निश्चित प्रतिशत नहीं था, जिससे विभिन्न विभागों में एकरूपता की कमी थी। सरकार का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा को रोकना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि ठेका लेने वाली कंपनी प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप काम पूरा करे। यह नई व्यवस्था सरकारी खरीद में पारदर्शिता बढ़ाएगी और परियोजनाओं की गुणवत्ता तथा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना,चांदी 15000 लुढ़की

देवउठनी एकादशी से पहले बाजार में खुदरा मांग कमजोर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में र विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट।

इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।

खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है।



हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है.



देवउठनी एकादशी

विष्णु-लक्ष्मी की उपासना का दिन

दीपावली के 11 दिन बाद देव प्रबोध उत्सव और तुलसी के विवाह को देवउठनी एकादशी कहते हैं। एकादशी का यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। क्षीरसागर में शयन कर रहे श्री हरि विष्णु को जगाकर उनसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत कराने की प्रार्थना की जाती है। मंदिरों के व घरों में गन्नों के मंडप बनाकर श्रद्धालु भगवान लक्ष्मीनारायण का पूजन कर उन्हें बेर, चने की भाजी, आँवला सहित अन्य मौसमी फल व सब्जियों के साथ पकवान का भोग अर्पित किए जाते हैं। मंडप में शालिगराम की प्रतिमा व तुलसी का पौधा रखकर उनका विवाह कराया जाता है। इसके बाद मण्डप की परिक्रमा करते हुए भगवान से कुँवारों के विवाह कराने और विवाहितों के गौना कराने की प्रार्थना की जाती है। दीप मालिकाओं से घरों को रोशन किया जाएगा और बच्चे पटाखे चलाकर खुशियाँ मनाते हैं।

कैसे करें ग्यारस के दिन पूजन

- देवउठनी ग्यारस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- इस दिन घर के दरवाजे को पानी से स्वच्छ करना चाहिए, फिर चूने व गेरू से देवा बनाने चाहिए।
- उसके ऊपर गन्ने का मंडप सजाने के बाद देवताओं की स्थापना करना चाहिए। भगवान विष्णु का पूजन करते समय गुड़, रूई, रोली, अक्षत, चावल, पुष्प रखना चाहिए।
- पूजन में दीप जलाकर देव उठने का उत्सव मनाते हुए 'उठो देव बैठो देव' का गीत गाना चाहिए।

सामग्री- गंगा जल, शुद्ध मिट्टी, कुश, सप्तधान्य, हल्दी, कुमकुम, अक्षत, पंचरत्न, लाल वस्त्र, कपूर, पान, घी, सुपारी, रौली, दूध, दही, शहद, फल, शकर, फूल, नैवेद्य, गन्ने, हवन सामग्री, तुलसी पौधा, विष्णु प्रतिमा।

क्यों मनाते हैं देवउठनी एकादशी

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु व जलंधर के बीच युद्ध होता है। जलंधर की पत्नी तुलसी पतिव्रता रहती हैं। इसके कारण विष्णु जलंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे। जलंधर को पराजित करने के लिए भगवान युक्ति के तहत जालंधर का रूप धारण कर तुलसी का सतीत्व भंग करने पहुँच गए। तुलसी का सतीत्व भंग होते ही भगवान विष्णु जलंधर को युद्ध में पराजित कर देते हैं। युद्ध में जलंधर मारा जाता है। भगवान विष्णु तुलसी को वरदान देते हैं कि वे उनके साथ पूजी जाएँगी। एक अन्य कथा के अनुसार गंगा राधा को जड़त्व रूप हो जाने व राधा को गंगा के जल रूप हो जाने का शाप देती हैं। राधा व गंगा दोनों ने भगवान कृष्ण को पाषाण रूप हो जाने का शाप दे दिया। इसके कारण ही राधा तुलसी, गंगा नदी व कृष्ण सालिगराम के रूप में प्रसिद्ध हुए। प्रबोधिनी एकादशी के दिन सालिगराम, तुलसी व शंख का पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व शास्त्रों में उल्लेखित है। गोधूलि बेला में तुलसी विवाह करने का पुण्य लिया जाता है। एकादशी व्रत और कथा श्रवण से स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थ शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवसाय में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !





तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुन- तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वत- गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।

सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेंदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाई। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का - वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019 अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

सौरव गांगुली ने वीरेंद्र सहवाग को दी बधाई, बेटे ने लगाया था अर्धशतक

एशिया कप के हीरो मोहित बोले-पता था दिन मेरा है

देखते रह गए पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत ने जबड़े से छीनी जीत; 19 एशिया कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा।वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे।इस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।



क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी।

लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।



19 एशिया फाइनल में जीत के बाद सेलिब्रेशन पर विवाद,पाक खिलाड़ियों की तरफ इशारे पर आलोचना, बीसीसीआई सचिव बोले- जश्न मनाने का पूरा हक- भारत की अंडर-19 टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराकर खिताब जीता। हालांकि, जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न पर विवाद हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तरफ इशारे करते नजर आए। इस पर हो रही आलोचना के बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने टीम का बचाव किया है।सैकिया ने कहा कि मुश्किल हालात में जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। यह उनके आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दिखाता है।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया; 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल



कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी- घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था- फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब- लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।

आईपीएल 2027के मुंबई के सभी 11 मैच वानखेड़े में होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल 2027 के मुंबई लेग का वेन्यू बदल दिया है। मुंबई में होने वाले सभी 11 मुकाबले अब ब्रेबोर्न स्टेडियम की



जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनमें 9 लीग मैच, एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। हालांकि, मैचों की तारीख और शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक, मुंबई लेग के मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच होंगे। फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के कारण यह फैसला लिया गया है। ब्रेबोर्न स्टेडियम को भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। ऐसे में दोनों टूर्नामेंट के बीच पिचों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।



फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, '''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।''

अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''





रोमांटिक किरदार निभाने पर बोले मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने इस बात पर चर्चा की कि इंडस्ट्री में तीन दशक बिताने के बावजूद, उन्हें रोमांटिक फिल्मों में बहुत कम क्यों देखा गया है। बातचीत में अभिनेता ने बताया कि वह हमेशा से एक जटिल प्रेम कहानी का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें कभी कोई सही ऑफर नहीं मिला। दिलचस्प बात यह है कि मनोज का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी भी ऐसे अभिनेताओं को रोमांटिक किरदारों में कास्ट करने को लेकर हिचकिचाहट है, जिनका लुक पारंपरिक नहीं है। मनोज ने बताया कि उनसे पूछा गया था कि वह रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे पूछा, 'आप रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते?' मैंने कहा, 'अरे भाई, तीन दशक हो गए हैं!' मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि कोई निर्देशक या लेखक मुझे रोमांटिक फिल्म का ऑफर देने में दिलचस्पी रखता हो।' अभिनेता ने कहा कि उन्हें कभी भी पर्दे पर रोमांस करने की अपनी क्षमता पर कोई शक नहीं रहा। हालांकि, वह हमेशा से एक आम प्रेम कहानी से कुछ अलग और बेहतर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एक रोमांटिक किरदार कैसे निभाते हैं। मुझे पता है कि रोमांस कैसे किया जाता है। शायद मैं किसी आम रोमांटिक फिल्म से कुछ हटकर तलाश रहा था, क्योंकि मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो आसानी से किसी एक घिसे-पिटे सांचे में फिट हो जाए। मैं हमेशा से एक बहुत ही जटिल प्रेम कहानी की तलाश में था, लेकिन मुझे कभी ऐसा कोई ऑफर नहीं मिला। एक-दो मौके आए भी, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में कभी बन ही नहीं पाईं या शुरू ही नहीं हो सकीं।' अपने करियर के इस पड़ाव पर, मनोज को लगता है कि अधेड़ उम्र के लोगों के रोमांस को पर्दे पर दिखाना एक दिलचस्प विषय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में आप केवल अधेड़ उम्र के लोगों की प्रेम कहानी के बारे में ही सोच सकते हैं। ऐसे देश में जहां अलग लुक वाले अभिनेताओं के पास रोमांटिक फिल्म करने का विकल्प तक नहीं है, वहां वह यह कैसे सोच सकते हैं कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति इस तरह के दर्शकों के लिए रोमांस कर सकता है? निर्देशक और लेखक उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि समाज, है ना? इसलिए, मुझे हमेशा उम्मीद रहती है कि कोई कुछ बहुत ही अनोखा और जटिल लेकर आएगा। जैसे कि अधेड़ उम्र के लोगों की कहानी।'



श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपने निजी अनुभवों पर बात की

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।''

श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।



शूर्पणखा बनने के लिए रकुल प्रीत को रोज लगते थे चार घंटे

इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब अपने इस सफर की कुछ खास झलकियां साझा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह अपने किरदार की तैयारी करती, मेकअप करवाती और शूटिंग के दौरान नजर आ रही हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट के जरिए बताया कि वह काफी समय से इस किरदार को निभाने का अनुभव फैंस के साथ साझा करना चाहती थीं। पोस्ट में उनके शूर्पणखा के लुक की तैयारी से लेकर सेट पर शूटिंग तक के कई पल देखने को मिल रहे हैं।

इनमें मेकअप और हेयरस्टाइल टीम के साथ बिताया गया समय भी शामिल है। रकुल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मैं 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने का अनुभव साझा करने का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। ऐसा हर बार नहीं होता कि आपको ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिले, जो पीढ़ियों से हमारी जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। 'रामायण' को इतने बड़े स्तर पर पर्दे पर जीवंत होते देखना वाकई एक अलग अनुभव है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हमारे देश के लिए इतना मायने रखती है और उसे इतने बड़े स्तर पर आकार लेते देखना, इस सफर को मेरे लिए और भी खास बनाता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का शुक्रिया, जो दूर की सोच रखने वाले ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा सपना देखा और उसे हकीकत में बदला। उनकी मेहनत और भारत से पूरी दुनिया तक कुछ असाधारण बनाने की इच्छा इस सफर को बेहद प्रेरणादायक बनाती है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, काजल अग्रवाल, शोभना और पूरी स्टारकास्ट व क्रू का भी शुक्रिया। आप सभी शानदार सह-कलाकार रहे और इस जादू को पर्दे पर उतारने के लिए सभी ने अपनी पूरी मेहनत लगा दी।

वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आ रहे हैं. अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता अब नई वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे. इस बार कहानी में सिर्फ अपराध और रहस्य ही नहीं, बल्कि हंसी-मजाक का भी तड़का होगा. 'पुष्पक विमान' में जयदीप अहलावत के साथ बरुन सोबती और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज को सुदीप शर्मा बना रहे हैं, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी कहानियों से पहले भी दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं. बरुन सोबती और सुदीप शर्मा इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं. अब यह जोड़ी एक नई कहानी के साथ लौट रही है रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस सीरीज को 2026 की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इसकी कहानी और दूसरी जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है.



बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान खान, फिर भी 'ईथा' को किया सपोर्ट



बॉक्स ऑफिस पर जब दो बड़े सितारों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती हैं, तो मुकाबले की चर्चा होना लाजिमी है. लेकिन इस बार सलमान खान ने ऐसा कुछ किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है. उनकी फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. यानी दोनों फिल्मों के बीच सीधी टक्कर होने वाली है. इसके बावजूद सलमान ने श्रद्धा की फिल्म को सपोर्ट किया है और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं.

सलमान ने शेयर किया 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर

12 नवंबर को सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर लिंक शेयर किया. उन्होंने श्रद्धा कपूर और मैडॉक फिल्म्स को टैग करते हुए लिखा, 'ऑल द बेस्ट फॉर ईथा.' सलमान के इस पोस्ट को मैडॉक फिल्म्स ने भी री-शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया. प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया सलमान सर.' खास बात यह है कि सलमान ने यह शुभकामना ऐसे वक्त दी है, जब उनकी अपनी फिल्म भी श्रद्धा की फिल्म के साथ रिलीज होने जा रही है. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा है. इसमें श्रद्धा कपूर महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं. वहीं सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है. फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों का मुकाबला दिलचस्प होने वाला है.



नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासी समाज को हुआ : प्रधानमंत्री मोदी

बोले- 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी हिंसा से प्रभावित थे, तीन हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया है। वर्ष 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। इस दौरान हर साल हजारों लोगों, विशेषकर आदिवासी समुदाय के लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने लंबे समय तक इस गंभीर समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया।प्रधानमंत्री ने कहा कि नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को अपने साथ ले जाते थे। इससे आदिवासी परिवारों में भय और असुरक्षा का माहौल बना रहता था। उनकी सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। इसके परिणामस्वरूप अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है।मोदी रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित एक कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याओं तथा अनुभवों को जाना। प्रधानमंत्री ने लगभग तीन हजार करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इसके साथ ही मिजोरम में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संग्रहालय का उद्घाटन किया।

बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

इससे पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आदिवासी कलाकारों ने पारंपरिक



नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कलाकारों के साथ खरताल बजाकर भी सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों, उनके संघर्ष और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले में स्थित बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू का दौरा किया था। वे इस गांव का दौरा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे।

अमिताभ बच्चन के घर पर फायरिंग की साजिश, दो शार्पशूटर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित आवास के बाहर फायरिंग करने की कथित साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं और उसके निर्देश पर अलग-अलग वारदातों को अंजाम देने की तैयारी में थे।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर अमिताभ बच्चन के कथित बयान से नाराज था और इसी वजह से उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ बच्चन इस तरह का कोई बयान देने से इनकार कर चुके हैं।पुलिस के अनुसार, विकास ठाकुर को दिल्ली के एक कारोबारी से रंगदारी वसूलने के लिए उस पर फायरिंग करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं, दीपक सिंह अमृतसर में तीन अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम चर्चित चेहरा मैड संधू की हत्या के मामले में भी वांछित था। जांच में सामने आया कि दोनों को अलग-अलग स्थानों पर वारदातों को अंजाम देना था।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दीपक सिंह को मुंबई में लंबे समय तक रुकने के निर्देश दिए गए थे। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इसके पीछे वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़ा कथित बयान वजह बताया जा रहा है। दीपक सिंह पर अमृतसर में तीन अक्टूबर को इंस्टाग्राम चर्चित चेहरा मैड संधू की हत्या में शामिल होने का आरोप है।



फेसबुक पर निजी तस्वीरों की गोपनीयता को लेकर गंभीर सवाल, 2 करोड़ उपयोगकर्ताओं का डेटा प्रभावित होने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सामाजिक माध्यमों पर निजी जानकारी की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर आरोप लगाया गया है कि उसके अनुप्रयोग के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के मोबाइल फोन में मौजूद निजी तस्वीरों और अन्य जानकारियों तक बिना स्पष्ट अनुमति पहुंच बनाई गई। इस मामले में करीब 2 करोड़ उपयोगकर्ताओं का डेटा प्रभावित होने और कंपनी पर 8,360 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाए जाने का दावा किया जा रहा है।मामला इटली का है, जहां डेटा सुरक्षा नियामक ने फेसबुक के उस सुविधा तंत्र पर आपत्ति जताई है, जिसके जरिए उपयोगकर्ताओं के मोबाइल की तस्वीरों और वीडियो तक पहुंच बनाई जा रही थी। जांच के अनुसार, वर्ष 2023 से उपलब्ध इस सुविधा के माध्यम से फेसबुक उपयोगकर्ताओं की गैलरी में मौजूद तस्वीरों को पोस्ट के सुझाव के रूप में दिखाता था। नियामक का कहना है कि इसके लिए मांगी गई अनुमति स्पष्ट और अलग नहीं थी, जिससे उपयोगकर्ताओं को यह समझने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला कि उनकी निजी गैलरी तक भी पहुंच बनाई जा रही है।इटली के करीब 2 करोड़ एंड्रॉयड उपयोगकर्ता इस मामले से प्रभावित हो सकते हैं। नियामक ने मेटा को 60 दिनों के भीतर इस सुविधा को स्वतः सक्रिय रहने से रोकने और इसके लिए अलग से स्पष्ट अनुमति लेने का निर्देश दिया है। जुर्माने की राशि 80.5 करोड़ यूरो यानी लगभग 8,360 करोड़ रुपये बताई गई है।मेटा ने नियामक के फैसले से असहमति जताई है और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है।



रील बनाने के लिए उदयपुर की सड़कों पर कारों से स्टंट, राजकोट के तीन युवक पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने और वीडियो को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की चाह में युवा अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। ऐसा ही एक मामला उदयपुर में सामने आया, जहां सड़क पर कार से खतरनाक करतब दिखाने वाले राजकोट के तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया।जानकारी के अनुसार, राजकोट के तीन युवक घूमने के लिए उदयपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शहर की सड़कों पर कार से यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए खतरनाक करतब किए और उनके वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर साझा कर दिए। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता



से लिया और युवकों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया।पुलिस की कार्रवाई के बाद युवकों की करतब दिखाने वाली वीडियो का एक दूसरा दृश्य भी सामने आया। इसमें तीनों युवक अपनी गलती स्वीकार करते हुए कान पकड़कर माफी मांगते और भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करने की बात कहते नजर आए। यह वीडियो भी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है।इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सामाजिक माध्यमों पर लोकप्रियता पाने की होड़ को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क पर इस तरह के करतब केवल वाहन चालकों ही नहीं, बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन सवारों की जिंदगी के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।विशेषज्ञों और आम लोगों के बीच यह सवाल भी चर्चा में है कि क्या केवल माफी मंगवाने से ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकती है? जरूरत इस बात की है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी प्रावधानों के अनुसार प्रभावी कार्रवाई हो, ताकि लोकप्रियता की चाह में कोई अपनी और दूसरों की जिंदगी खतरे में न डाले।

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते पुणे लौटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे । पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया। पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।लैंडिंग से पहले विमान को रनवे के ऊपर से कम ऊंचाई पर उड़ाया गया, ताकि देखा जा सके कि उसका लैंडिंग गियर ठीक से खुला है या नहीं। इसके बाद सुबह 9:04 बजे विमान को पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। लैंडिंग के बाद तीन दमकल गाड़ियों और दो एंबुलेंस की मदद से विमान को बे नंबर-7 पर ले जाया गया। जांच में विमान की स्थिति सुरक्षित मिलने के बाद सुबह 9:10 बजे इमरजेंसी हटा दी गई। इसके बाद विमान में एयरोब्रिज लगाया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी।लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है।उड़ान भरने के बाद ये पहिए विमान के अंदर चले जाते हैं, ताकि हवा में उड़ते समय रुकावट न हो। उतरने से पहले इन्हें फिर बाहर निकाला जाता है।विमान का लैंडिंग गियर उड़ान भरने के बाद अंदर नहीं जा सका और बाहर ही अटका रहा। इससे विमान की उड़ान प्रभावित हो सकती थी और ईंधन की खपत भी बढ़ सकती थी। साथ ही, लैंडिंग गियर में खराबी के कारण सुरक्षित लैंडिंग को लेकर जोखिम था।



धान खरीदी केंद्र सल्हे मे विधिवत शुभारंभ, किसानों में खुशी की लहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव राजनांदगांव। आज धान खरीदी केंद्र में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दिलीप साहू एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पूजा-अर्चना कर धान खरीदी कार्य की शुरुआत की गई।कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शुभारंभ के अवसर पर किसानों का स्वागत किया गया तथा उन्हें शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने की जानकारी दी गई।इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि धान खरीदी किसानों की मेहनत का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की बात कही गई।धान खरीदी केंद्र में शुभारंभ के साथ ही किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। जिसमे धान



खरीदी नीति में बदलाव से किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा सरकार के फैसले से किसानों को मिलेगी राहत, अपनी उपज बेचने का मिलेगा बेहतर अवसर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की नीति में किए गए बदलाव का दिलीप साहू जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा राजनंदगांव ने इसे किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय बताया है।

दिलीप साहू ने कहा कि पूर्व में कई किसान विभिन्न कारणों से अपनी पूरी उपज समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पाने की चिंता से परेशान रहते थे। नई व्यवस्था से ऐसे किसानों को राहत मिलेगी और उन्हें अपनी उपज बेचने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना, कृषि व्यवस्था को सुविधाजनक बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा धान खरीदी समितियों एवं उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ाए जाने से भी किसानों को काफी सुविधा मिली है। अब किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने और अनावश्यक परेशानियों का सामना करने से राहत मिल रही है। स्थानीय स्तर पर खरीदी केंद्रों की उपलब्धता से धान खरीदी व्यवस्था अधिक सुविधाजनक हुई है।श्री साहू ने कहा कि सरकार किसानों के परिश्रम का

कश्मीर-उत्तराखंड में बर्फबारी, दिल्ली-राजस्थान में बूंदाबांदी से बढ़ी ठंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम ने करवट ले ली है। कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में शनिवार रात हुई बर्फबारी के बाद मैदानी क्षेत्रों में ठंड बढ़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले दो दिनों तक बर्फबारी की संभावना जताई गई है। वहीं दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट आई है। दिल्ली में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने राजधानी के अलावा राजस्थान के 10 जिलों में भी बादल छाने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश में भी सर्दी का असर बढ़ने लगा है। प्रदेश के 19 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। अनूपपुर जिले के अमरकंटक में सबसे कम 10.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण रात और सुबह के समय ठंडी हवाओं का असर अधिक महसूस किया जा रहा है।इधर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इसके प्रभाव से 16 नवंबर की शाम तक चक्रवाती तूफान बनने की आशंका है। यदि यह तूफान विकसित होता है तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। इस तरह यह एक महीने के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठने वाला तीसरा चक्रवाती तूफान होगा। इसके विकसित होने पर तटीय राज्यों में मौसम का मिजाज बदल सकता है।



अमूल के पदाधिकारियों पर विदेश यात्राओं में किसानों की कमाई खर्च करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/आणंद। एशिया की प्रमुख सहकारी डेयरी अमूल को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। खेड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह राणा ने अमूल के पदाधिकारियों और प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पशुपालकों की मेहनत से होने वाली कमाई का इस्तेमाल विदेश यात्राओं और व्यक्तिगत सुविधाओं पर किया जा रहा है।राणा ने सभा और प्रेस बयान के माध्यम से आरोप लगाया कि गुजरात के पशुपालक दिन-रात मेहनत कर दूध का उत्पादन करते हैं, लेकिन उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। पशु आहार, दवाइयों और चारे की बढ़ती कीमतों से किसानों का खर्च



लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद डेयरी प्रबंधन के खर्चों और विदेश यात्राओं पर कथित रूप से बड़ी रकम खर्च की जा रही है।उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पदाधिकारियों की विदेश यात्राएं वास्तव में डेयरी कारोबार के विस्तार और किसानों के हितों के लिए होती हैं या फिर इनका उद्देश्य व्यक्तिगत सुविधाएं हासिल करना है। राणा ने इन यात्राओं पर होने वाले खर्च का सार्वजनिक हिसाब देने की मांग भी उठाई।इन आरोपों के बाद सहकारी क्षेत्र में जवाबदेही और प्रबंधन के खर्चों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पशुपालकों के हितों से जुड़े इस मामले में यह सवाल भी उठ रहा है कि दूध उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाने और उनके आर्थिक हितों की रक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अमूल प्रबंधन इन आरोपों पर क्या स्पष्टीकरण देता है और क्या संबंधित अधिकारी विदेश यात्राओं तथा प्रशासनिक खर्चों का विवरण सार्वजनिक करेंगे। फिलहाल ये आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

11 साल के ओम प्रकाश ने जान पर खेलकर बचाई 8 बच्चों की जिंदगी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बहादुरी उम्र की मोहताज नहीं होती। इसका उदाहरण 11 वर्षीय ओम प्रकाश यादव ने पेश किया, जिन्होंने जलती हुई स्कूल वैन में फंसे आठ बच्चों की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी। इस साहसिक प्रयास में ओम प्रकाश स्वयं भी गंभीर रूप से झुलस गए, लेकिन उनकी हिम्मत ने कई परिवारों को जिंदगी भर का दर्द झेलने से बचा लिया।जानकारी के अनुसार, बच्चे रोजाना की तरह स्कूल वैन से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक वैन में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों और धुएं ने पूरे वाहन को घेर लिया। वैन में बैठे बच्चे घबरा गए और बाहर निकलने के लिए चीखने-चिल्लाने लगे। ऐसे मुश्किल समय में ओम प्रकाश ने अपनी जान की परवाह किए बिना अंदर फंसे बच्चों को बाहर



निकालने का फैसला किया।उन्होंने आग और धुएं के बीच साहस दिखाते हुए एक-एक कर आठ बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान वह स्वयं आग की चपेट में आ गए और करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गए। हादसे में उनके शरीर और चेहरे पर गंभीर जलने के निशान रह गए।इतनी कम उम्र में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले ओम प्रकाश की बहादुरी आज भी लोगों के लिए प्रेरणा है। उनके चेहरे पर मौजूद निशान उस कठिन संघर्ष की याद दिलाते हैं, जिसमें उन्होंने अपनी तकलीफ से पहले दूसरों की जिंदगी को प्राथमिकता दी।ओम प्रकाश की कहानी बताती है

आईपीएल संस्थापक ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक, 15 सितंबर को मिली नागरिकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक और पूर्व क्रिकेट प्रशासक ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक बन गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 15 सितंबर 2026 को उन्हें ब्रिटेन की नागरिकता मिल गई थी। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ इस उपलब्धि का जश्न भी मनाया। ललित मोदी पिछले करीब 16 वर्षों से लंदन में रह रहे हैं। आईपीएल में वित्तीय अनियमितताओं, धनशोधन और नीलामी में गड़बड़ी के आरोपों के बाद वर्ष 2010 में वह भारत छोड़कर चले गए थे।ललित मोदी की भारतीय नागरिकता मार्च 2025 में ही समाप्त हो गई थी, जब उन्होंने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानुअतु की नागरिकता हासिल की थी। हालांकि, बाद में वानुअतु के प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया था। उस समय प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि ललित मोदी प्रत्यर्पण से बचने के लिए वहां की नागरिकता हासिल करना चाहते थे।ऑक्सफोर्ड यूनियन में किया नागरिकता मिलने का खुलासा*ललित मोदी ने 14 नवंबर को ऑक्सफोर्ड यूनियन में संबोधन के दौरान अपनी ब्रिटिश नागरिकता मिलने की जानकारी सार्वजनिक की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह उनके जीवन का गर्व से भरा पल और एक नया अध्याय है। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर 2026 को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में आयोजित समारोह के दौरान उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता मिलने का जश्न मनाया।



आतंकियों से लोहा लेते शहीद हुए दो एसपीओ के पार्थिव शरीर डंपर में लाने पर विवाद, किश्तवाड़ में भड़का आक्रोश

उचित सम्मान और अंतिम विदाई के इंतजामों पर उठे सवाल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

किश्तवाड़ (जम्मू-कश्मीर)। देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले सुरक्षा कर्मियों को सम्मानजनक विदाई देना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव तक डंपर में पहुंचाए जाने का मामला विवाद का विषय बन गया है। बिना ताबूत के मालवाहक वाहन में पार्थिव शरीर लाए जाने के आरोपों के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों में नाराजगी फैल गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं।जानकारी के अनुसार, विशेष पुलिस अधिकारी बाबी चंद और रशपाल कुमार 11 नवंबर को किश्तवाड़ के मरवाह क्षेत्र के देहराना जंगल में गोलीबारी की घटना के बाद लापता हो गए थे।



दोनों के लापता होने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू किया। अगले दिन तलाशी दल को दच्छन के जंगल में उनके पार्थिव शरीर मिले। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनके सरकारी हथियार भी मौके से गायब बताए गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद आतंकियों की भूमिका और सुरक्षा व्यवस्था में संभावित चूक को लेकर जांच के सवाल उठे हैं।बताया जा रहा है कि दोनों एसपीओ को कियार गांव से मरवाह उपमंडल के धरना क्षेत्र में ड्यूटी के लिए भेजा गया था। इस मार्ग में दुर्गम पहाड़ी रास्ते और घने जंगल पड़ते हैं। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब संबंधित क्षेत्र में पहले से पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती थी, तब दोनों अधिकारियों को इतनी दूर और कठिन रास्ते से क्यों भेजा गया? इस मामले में ड्यूटी निर्धारण और सुरक्षा प्रबंधों की भी जांच की मांग की जा रही है।मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब किश्तवाड़ की भाजपा विधायक शगुन परिहार ने अधिकारियों के सामने नाराजगी जताई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में वह भावुक होकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से सवाल करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि देश की सेवा करते हुए जान गंवाने वाले जवानों के पार्थिव शरीर को बिना ताबूत डंपर में गांव पहुंचाना उनके सम्मान के साथ अन्याय है।विधायक ने यह भी नाराजगी जताई कि घटना के बाद प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी समय पर परिजनों के पास नहीं पहुंचे। उनके अनुसार, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और दिल्ली में संबंधित अधिकारियों तक मामला पहुंचाने के बाद ही वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रियता दिखाई दी। उन्होंने दोनों एसपीओ की गतिविधियों की जानकारी आतंकियों तक पहुंचने की आशंका जताते हुए इसकी जांच कराने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की मांग की। पार्थिव शरीरों को डंपर में लाए जाने की घटना से ग्रामीणों और परिजनों में भी नाराजगी फैल गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अंतिम यात्रा के लिए ताबूत और स्ट्रेचर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी उपलब्ध नहीं कराई गईं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.